वर्ष : 33 | अंक : 205 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, शुक्रवार, 11 अक्टूबर 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

एक बार रतन टाटा के एक मित्र ने उनसे कुछ विकलांग बच्चों के लिए व्हील चेयर खरीदने के लिए कहा। लगभग 200 बच्चे थे। दोस्त के कहने पर उन्होंने तुरन्त व्हील चेयर खरीद लीं। लेकिन दोस्त ने जिद की कि वो उसके साथ चलें और बच्चों को व्हील चेयर भेंट करें। रतन टाटा तैयार होकर उनके साथ चल दिए। वहाँ उन्होंने सारे पात्र बच्चों को अपने हाथों से व्हील चेयर दीं। उन्होंने इन बच्चों के चेहरों पर खुशी की अजीब सी चमक देखी। जब वह वहाँ से वापस जाने को हुए तो उन बच्चों में से एक ने उनकी टांग पकड़ ली। उन्होंने धीरे से अपने पैर को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन बच्चे ने उन्हें नहीं छोड़ा और उसने उनके चेहरे को देखा और उनके पैरों को और कसकर पकड़ लिया। रतन टाटा झुक गए और बच्चे से पूछा: क्या तुम्हें कुछ और चाहिए? तब उस बच्चे ने जवाब दिया- "मैं आपका चेहरा याद रखना चाहता हूं ताकि जब मैं आपसे स्वर्ग में मिलूं, तो मैं आपको पहचान सकूं और एक बार फिर आपका धन्यवाद कर सकूं।" ऐसे थे रतन टाटा। एलन मस्क, अर्नाल्ट तो कोई भी आम व्यापारी भी बन सकता है, लेकिन 'रतन टाटा' जैसे उच्च मानवीय मूल्यों के धनी, इन्सानियत की मिसाल और मानवीय संवेदनाओं के प्रणेता सदियों में एक बार पैदा होते हैं। जितने भी स्वयंभू महान बने हुए हैं, वो देखें कि जाने के बाद भी देश जिस श्रद्धा, आदर और प्यार भरी नम आँखों से इस शख़्सियत को विदा कर रहे हैं, जो कि दौलत या ताकत के बल पर नहीं बल्कि मानवीय मूल्यों के कारण है। हम सभी को अपने अंतर्मन में झांकना चाहिए और यह मनन अवश्य करना चाहिए कि, इस जीवन और संसार और सारी सांसारिक गतिविधियों को छोड़ने के बाद आपको किसलिए याद किया जाएगा? क्या कोई आपका चेहरा फिर से देखना चाहेगा ? अगर हां, तो हम सभी के जीवन जीने का तरीक़ा बदल जाएगा। ज़रुरी नहीं कि हम सभी रतन टाटा बन जाएंगे लेकिन जब इस दुनिया को टाटा करेंगे तो आपके आसपास की दुनिया को लगेगा कि एक रत्न चला गया।

टाटा...भारत के रतन, फिर किसी देश को बेहतर बनाने के लिए आना !

'टाटा' अनमोल 'रतन'

पंचतत्व में विलीन हुए रतन टाटा > पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार > नम आंखों से दी गई विदाई > पहले गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया > अंतिम संस्कार में उमड़ा विशाल जनसैलाब

भारत ने एक ऐसे आइकॉन को खो दिया है, जिन्होंने कॉर्पोरेट ग्रोथ, राष्ट्र निर्माण और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की विरासत को आगे बढ़ाया है। **– द्रौपदी, मुर्मू राष्ट्रपति**

टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक टाटा ग्रुप को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। उनका योगदान बोर्ड रूम से कहीं आगे तक गया। **– नरेंद्र मोदी, पीएम**

हम अत्यंत दुख के साथ रतन टाटा को विदाई दे रहे हैं। समूह के लिए टाटा एक चेयरपर्सन से कहीं ज्यादा थे। मेरे लिए वे एक गुरु, मार्गदर्शक और मित्र थे। **– एन चंद्रशेखरन, टाटा चेयरमैन**

रतन टाटा दूरदृष्टि वाले व्यक्ति थे। उन्होंने बिजनेस और परोपकार दोनों पर कभी न मिटने वाली छाप छोड़ी है। उनके परिवार और टाटा कम्युनिटी के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। **–राहुल गांधी**

ये भारत के लिए बहुत दुखद दिन है। रतन टाटा का जाना ना सिर्फ टाटा ग्रुप, बल्कि हर भारतीय के लिए बड़ा नुकसान है। व्यक्तिगत तौर पर रतन टाटा का जाना मुझे बहुत दुख से भर गया है, क्योंकि मैंने अपना दोस्त खो दिया है। **– मुकेश अंबानी**

भारत ने एक महान और दूरदर्शी व्यक्ति खो दिया है। टाटा ने मॉडर्न इंडिया के पाथ को रीडिफाइन किया। टाटा सिर्फ एक बिजनेस लीडर नहीं थे, उन्होंने करुणा के साथ भारत की भावना को मूर्त रूप दिया। **– गौतम अडाणी**

मैं रतन टाटा की अनुपस्थिति को स्वीकार नहीं कर पा रहा हूं। रतन टाटा को भुलाया नहीं जा सकेगा, क्योंकि महापुरुष कभी नहीं मरते। **–आनंद महिंद्रा**

देश के विकास और भारत की अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वह न केवल उद्योग जगत के एक प्रमुख स्तंभ थे बल्कि विनम्रता, ईमानदारी और करुणा के भी पर्याय थे। औद्योगिक जगत के साथ-साथ समाज के लिए उनके द्वारा किये गए उल्लेखनीय योगदान ने देश और पूरी दुनिया पर एक अमिट छाप छोड़ी है। **– जेपी नड्डा, अध्यक्ष, भाजपा**

देश ने एक महान उद्योगपति और समाजसेवी को खो दिया, जिन्होंने न केवल भारतीय उद्योग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, बल्कि अपनी निस्वार्थ सेवा और उदारता से समाज के हर वर्ग को प्रेरित किया। उनकी सादगी, दूरदर्शिता और सेवा भावना युगों तक प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। उनका निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। **– ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष**

टाटा से पिछली मुलाकात के दौरान उनका विजन सुनना मेरे लिए प्रेरणादायक था। वे एक्स्ट्राऑर्डिनरी बिजनेस लीगेसी छोड़ गए हैं। उन्होंने भारत में मॉडर्न बिजनेस लीडरशिप को मार्गदर्शन देने और डेवलप करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। **– सुंदर पिचाई**

अमित बृज । मुंबई

प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा का अंतिम संस्कार गुरुवार शाम मध्य मुंबई के वर्ली स्थित शवदाह गृह में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। मुंबई पुलिस ने उन्हें श्रद्धांजलि और गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पद्म विभूषण से सम्मानित रतन टाटा का बुधवार रात शहर के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। अंतिम संस्कार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, कांग्रेस नेता सुशील कुमार शिंदे सहित अन्य लोग शवदाह गृह में मौजूद रहे। यहां टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा समेत उनके परिवार के सदस्य और टाटा समूह के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन समेत शीर्ष अधिकारी भी उपस्थित रहे।

पारसी परंपरा से अंतिम संस्कार

शवदाह गृह में मौजूद एक धर्म गुरु ने बताया कि अंतिम संस्कार पारसी परंपरा के अनुसार किया गया। उन्होंने बताया कि अंतिम संस्कार के बाद दिवंगत उद्योगपति के दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित बंगले में तीन दिन तक अनुष्ठान किए जाएंगे।

हजारों लोगों ने श्रद्धांजलि दी

इससे पहले, टाटा के पार्थिव शरीर को दक्षिण मुंबई स्थित राष्ट्रीय कला प्रदर्शन केंद्र (एनसीपीए) में जनता के अंतिम दर्शन के लिए सुबह 10 .30 बजे से अपराह्न 3 .55 बजे तक रखा गया। वहां विभिन्न वर्गों के हजारों लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

विरासत लंबे समय तक मार्गदर्शन करती रहेगी : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक्स पर लिखा कि रतन टाटा के दुखद निधन पर शोक जताने वाले लाखों भारतीयों में शामिल हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से टाटा के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र भी अर्पित किया। उन्होंने कहा कि टाटा को हमेशा देशभक्ति और एकता के प्रकाशपुंज के रूप में याद किया जाएगा। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि रतन टाटा की विरासत आने वाले लंबे समय तक देश के औद्योगिक क्षेत्र का नेतृत्व करने वालों का मार्गदर्शन करती रहेगी।

रतन टाटा ने जीवनकाल में किया 9000 करोड़ रुपए दान

रतन टाटा एक सफल उद्योगपति ही नहीं थे, वे समाज के कल्याण पर भी उतना ही ध्यान देते थे। रतन टाटा ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, ग्रामीण विकास और सामाजिक कल्याण सहित एनिमल वेलफेयर के पहलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए परोपकारी कार्यों के लिए दान करते थे। उनके द्वारा कुल दान की गई राशि 1.2 बिलियन डॉलर (लगभग 9,000 करोड़ रुपए) से अधिक का दान किया है। वे एनिमल वेलफेयर के लिए बहुत कुछ करते थे। उन्होंने मुंबई में पशुओं के लिए सभी आधुनिक सुविधाओं वाले एक अस्पातल का निर्माण करवाया, जिसकी लागत 165 करोड़ रुपए थी, जो उनके पशुओं के प्रति केयर और प्रेम को दर्शाता है।

क्यों हमेशा अरबपतियों की सूची से दूर ही रहे रतन टाटा?

रतन टाटा जो कि देश के ही नहीं विश्व के सबसे बड़े उद्योगपति रहे। अकेल टाटा का दूसरी सबसे बड़ी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) है, जिसकी मार्केट वैल्यू 170 बिलियन डॉलर की है। हालांकि, उनका नाम दुनिया के अरबपतियों की सूची में कभी शामिल नहीं रहा। उसकी बड़ी वजह यह है कि रतन टाटा समेत पूरे टाटा परिवार ने अपनी कंपनियों के शेयरों का बड़ा हिस्सा कभी अपने पास नहीं रखा। इसके बजाए परिवार समूह से अपनी आमदनी को टाटा ट्रस्ट्स में निवेश कर देता है। ये ट्रस्ट्स शिक्षा, स्वास्थ्य, और ग्रामीण विकास जैसे कार्यों पर पैसा खर्च करते हैं। टाटा संस का लगभग 66 प्रतिशत मुनाफा चैरिटेबल ट्रस्ट्स को जाता है। रतन टाटा के पास खुद भी टाटा संस के बहुत मामूली शेयर ही थे।

दायित्वनामा

एक थे अनमोल रतन

कोई दूसरा भी हो सकता है रतन...!

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

बीती रात पूरे भारत और दुनिया के बहुत बड़े हिस्से में भारत रत्न उद्योगपति रतन टाटा के निधन की खबर ने लोगों के मन को नम कर दिया। करोड़ों लोगों की आंखों में बरबस नमी आ गई। इनमें से बड़ी संख्या में लोग ऐसे हैं, जिनका रतन टाटा से कोई लेना-देना नहीं। करोड़ों लोगों का सपना भर था कि वे एक बार रतन टाटा से पल भर को मिल लें। 86 वर्ष का यह व्यक्ति जिससे भी मिलता वह गर्व से भर जाता कि वह उनसे मिल आया है।

यहां हम बस रतन टाटा के बारे में बात करने नहीं आये हैं। हम यहां इसलिए हैं कि हम चर्चा कर सकें कि आज जब उद्योगपतियों की बहुत बड़ी जमात संसार में मौजूद है, तो फिर कोई दूसरा क्यों रतन टाटा नहीं हो सकता...! जहां तक सवाल चैरिटी का है तो सभी बड़ी कम्पनियां चैरिटी करती हैं। पर ऐसे में क्या सभी को यह लोकप्रियता मिलती है...? और नहीं तो आखिर ऐसा क्यों है कि लोगों को यह स्थान नहीं मिलता। क्या ऐसा अलग है जो उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर ले जाता है। अगर उसका जवाब ढूंढ़ने जाएंगे तो वह यह है कि उन्होंने जीवन को सार्थक बनाने के लिए बहुत सारे ठोस कदम उठाए। सबसे बड़ी बात यह कि उनकी कथनी-करनी में कोई फर्क नहीं रहा। उन्होंने अपने जीवन के लिए कुछ मूल्य बनाए और आजीवन अपने मूल्यों पर टिके रहे। लाभ-हानि देखकर उनके मूल्य नहीं बदले। उन्होंने जिसका भी साथ दिया उसे पूरी जिम्मेदारी से निभाया।

रतन टाटा के जीवन मूल्य उनके विचारों में मिलते हैं, उन्होंने लोगों को सफलता का मंत्र बताते हुए कहा कि अगर आप तेजी से चलना चाहते हैं तो अकेले चलिए। लेकिन अगर आप दूर तक चलना चाहते हैं तो साथ मिलकर चलिए। यह विचार किसी भी व्यक्ति को सकारात्मक व सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ देता है। रतन टाटा जीवन सफर पर हमेशा लोगों से जुड़ते चलें। जो उनसे मिल सका उन्होंने उसके लिए जो बन सका किया। जीवन में सकारात्मक सोच को महत्व देने वाले रतन ने कभी नकारात्मक मार्ग नहीं पकड़ा, वे कहते हैं कि अगर लोग आप पर पत्थर मारते हैं तो उन पत्थर का उपयोग अपना महल बनाने में कर लें। उन्होंने पूरा जीवन इसी तरह से खराब चीजों से अच्छाई निकाल कर उसे बड़ा करने में लगाया। उन्हें यकीन था कि यदि व्यक्ति अच्छी नीयत का है तो बिगड़ा काम भी बन जाता है। तभी उन्होंने कहा कि मैं सही फैसले लेने में विश्वास नहीं करता। मैं फैसले लेता हूं और फिर उन्हें सही साबित कर देता हूं। उनका कहना यहां यह था कि हर गलती को सुधारा जा सकता है।

रतन टाटा में बुद्धत्व का भाव रहा, वे कहते हैं कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए उतार-चढ़ाव बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ईसीजी में एक सीधी रेखा का मतलब है कि हम जीवित नहीं हैं। उन्होंने सुख-दुख, हार-जीत के समान महत्व को समझा और दुनिया में अपने कर्म से उसका उदाहरण भी पेश किया। हमेशा अपने दिल की सुनने वाले रतन टाटा ने कहा कि हम इंसान हैं, कोई कम्प्यूटर नहीं, इसलिए जीवन का मजा लीजिये, इसे हमेशा गंभीर मत बनाइये। वे मुसाफिर की तरह आये और अपना सफर पूरा कर विदा ले गए। पूरी दुनिया में उनके जाने की नमी है।

खैर, पर हम यहां उनके जाने का शोक मनाने नहीं आए हैं, हम मानते हैं कि उन्होंने जीवन को भरपूर जिया और उसे महान मायने दिए। हम यहां अपना यह दायित्व निभाने आए हैं कि रतन टाटा होना असंभव नहीं है। यदि हममे से कोई निष्छल भाव से जीवन जिए, इंसानियत के मार्ग पर निर्विकार भाव से चलता जाए तो वो भी रतन टाटा हो सकता है।

पुणे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर रतन टाटा को दी गई श्रद्धांजलि

पुणे। पुणे स्टेशन पर प्रसिद्ध भारतीय व्यवसायी और उद्योगपति रतन टाटा की याद में एक शोक सभा आयोजित की गई। यह आयोजन प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर हुआ, जिसमें स्टेशन निदेशक मदनलाल मीना और सभी स्टेशन कर्मचारी उपस्थित थे। इस श्रद्धांजलि के दौरान, उपस्थित लोगों ने टाटा के अद्वितीय योगदानों और उनके स्थायी विरासत पर विचार किया। उनकी दृष्टि और नेतृत्व ने भारत और उसके बाहर अनगिनत लोगों को प्रेरित किया

है। पुणे स्टेशन समुदाय टाटा के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता है और उनके असाधारण जीवन और उपलब्धियों को सम्मानित करता है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग
कस्तूरबा अस्पताल

साने गुरुजी मार्ग, मुंबई-400011
नं.एचओ/6281/केएच तारीख 07/10/2024

ई-निविदा सूचना

नीचे दिए गए कार्य के लिए ऑनलाइन निविदा चिकित्सा अधीक्षक कस्तूरबा अस्पताल द्वारा बीएमसी के आयुक्त की ओर से आमंत्रित की जाती है।

अनु. क्र.	बोली क्र.	कार्य का नाम	मात्रा
1	2024_एमसीजीएम_1111343_1	ई-निविदा कुल न्यूक्लिक एसिड स्वचालित निष्कर्षण किट की आपूर्ति की खरीद	मात्रा के बिल के अनुसार (बीओक्यू)

बोली शुरूः 11.10.2024 को सुबह 10.00 बजे. बोली समाप्तिः 17.10.2024 को शाम 04.00 बजे
संपर्क अधिकारी : डॉ.चंद्रकांत. पी. पवार,चिकित्सा अधीक्षक, कस्तूरबा अस्पताल.
टेली. नं. 022- 23027769 ईमेलः ms01kasturba.phd@mcgm.gov.in

बोलियां निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन प्रस्तुत की जानी चाहिए। पूर्ण ई-निविदा दस्तावेज महाटेंडर के पोर्टल https://mahatenders.gov.in/ पर उपलब्ध हैं।

हस्ता/
चिकित्सा अधीक्षक
कस्तूरबा अस्पताल

पीआरओ/1660/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग
कस्तूरबा अस्पताल

साने गुरुजी मार्ग, मुंबई-400011
नं.एचओ/6250/केएच तारीख 09/10/2024

ई-निविदा सूचना

नीचे दिए गए कार्य के लिए ऑनलाइन निविदा चिकित्सा अधीक्षक कस्तूरबा अस्पताल द्वारा बीएमसी के आयुक्त की ओर से आमंत्रित की जाती है।

अनु. क्र.	बोली क्र.	कार्य का नाम	मात्रा
1	2024_एमसीजीएम_1110267_1	कस्तूरबा अस्पताल में **कम्पोस्टेबल कचरा बैग काला रंग (30"x34"), कम्पोस्टेबल कचरा बैग लाल रंग (29"x32"), कम्पोस्टेबल कचरा बैग नीला रंग (25"x30"), कम्पोस्टेबल कचरा बैग पीला रंग ("29x32")** खरीद के लिए ई-टेंडर.	मात्रा के बिल के अनुसार (बीओक्यू)

बोली शुरूः 11.10.2024 को सुबह 10.00 बजे. बोली समाप्तिः 18.10.2024 को शाम 04.00 बजे
संपर्क अधिकारी : डॉ. चंद्रकांत. पी. पवार, चिकित्सा अधीक्षक, कस्तूरबा अस्पताल.
टेली. नं. 022- 23027769 ईमेलः ms01kasturba.phd@mcgm.gov.in

बोलियां निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन प्रस्तुत की जानी चाहिए। पूर्ण ई-निविदा दस्तावेज महाटेंडर के पोर्टल https://mahatenders.gov.in/ पर उपलब्ध हैं।

हस्ता/
चिकित्सा अधीक्षक
कस्तूरबा अस्पताल

पीआरओ/1665/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

मध्य रेल

विद्युतीकरण और संबद्ध कार्य

ई निविदा सूचना क्रमांक: एलसीएफ/डीआर/जीएस/470/2024/06, दिनांक: 04/10/2024

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण) दादर, तिलक ब्रिज के पास, पश्चिम रेलवे के प्लेटफॉर्म नंबर 5 के सामने, दादर (पश्चिम) मुंबई - 400028, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये प्रतिष्ठीत ठेकोदारो से क्रिस वैबसाइट पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम तथा स्थान:** मध्य रेलवे के मुंबई डिवीजन में सीएसएमटी कुर्ला स्टेशन 5वीं और 6वीं लाइन के संबंध में सायन स्टेशन पर नए भवन, प्लेटफॉर्म और कुर्ला, परेल में सेवा भवन में विद्युतीकरण और संबद्ध कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 2,64,26,085/- (रुपये दो करोड़ चौसठ लाख छब्बीस हजार पचासी मात्र) **जमा कराये जाने वाली बयाना राशि:** रु. 2,82,100/- (रुपये दो लाख बयासी हजार एक सौ मात्र) **निविदा पप्रत्र की लागत:** 00 (शून्य) **कार्य पूर्ण करने का अवधि: स्वीकृति पत्र जारी होने के दिन से बारह (12) महीना तक (मानसून सहित)। ऑफर की वैधता:** निविदा खुलने के 60 दिन तक। **पूरी जानकारी के लिए वैबसाइट, नोटिस बोर्ड का स्थान:** निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज़ क्रिस कि वैबसाइट पता **ireps.gov.in** से देखे जा सकते हैं। **निविदा भरने की तारीख तथा समय:** निविदा दस्तावेज़ ऑनलाइन दिनांक 29/10/2024 समय 15:00 बजे तक या पहले भरी जा सकती है। **निविदा खोलने तारीख तथा समय:** निविदा इस कार्यालय मे 15:15 बजे दिनांक 29/10/2024 को खोली जाएगी। **नोट :** संभावित निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि इलेक्ट्रॉनिक रूप से उनके प्रस्तावों को निविदा भरने से पहले, नियम और शर्तों, पात्रता मानदंड, ईएमडी और निविदा दस्तावेज की लागत जमा करने के तरीके के संबंध में निविदा विवरण के क्रिस के वेबसाइट **ireps.gov.in** का संदर्भ लेना चाहिए।

उ.मु.वि.इं. (नि.) दादर 458

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

'दिवाली एक्सप्रेस' का शुभारंभ

आपके फराल (नाश्ते) का स्थानीय वितरण सुलभ

दिवाली एक्सप्रेस की सुविधा के साथ मनाएं दिवाली

इस सेवा की मुख्य विशेषताएं

- तेज स्थानीय वितरण
- सुविधाजनक बुकिंग
- थोक ग्राहकों के लिए निःशुल्क पिकअप
- ट्रैक और ट्रेस सुविधा
- पार्सल पैकेजिंग यूनिट
- व्यवसायों और नियमित ग्राहकों के लिए समर्पित सहयोग
- स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लिए सहयोग

दोपहर संवाददाता | मुंबई

डाक विभाग ने बड़े उत्साह के साथ अपनी एक नई सेवा के शुभारंभ की घोषणा की है। यह उत्पाद है - 'दिवाली एक्सप्रेस'। यह एक नई एक्सप्रेस पार्सल सेवा है, जो दिवाली उत्सव की अनूठी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार की गई है और यह दिवाली के त्यौहार के मौसम में ग्राहकों की खास जरूरतों को पूरा करती है। यह सेवा मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई नगर निगम के क्षेत्राधिकार में दिवाली फराल (मीठे और नमकीन नाश्ते का मिश्रण) के तेज और विश्वसनीय वितरण की सुविधा के लिए लाई गई है।

महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी, (महापारेषण) सांघिक कार्यालय, वांद्रे, मुंबई

मनपा कर्मचारियों को मिलेगा 14,200 रुपए का अनुग्रह अनुदान

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी महानगर पालिका के सभी कर्मचारियों को मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने 14 हजार 200 रुपए के कल्याण अनुदान सरकार द्वारा देने की घोषणा की है। दिवाली अनुदान को लेकर आज आयुक्त अजय वैद्य की अध्यक्षता में सभी श्रमिक एवं कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। मनपा की वित्तीय स्थिति को देखते हुए, सभी से चर्चा करने के बाद दिवाली बोनस के रूप में 14,200 रूपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। जिसका सभी ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों ने समर्थन किया। मनपा आयुक्त अनुदान की घोषणा करते समय पर कर संग्रह करने वाले कर्मचारियों से बड़ी मात्रा में कर जमा करने की उम्मीद जताते हुए कहा कि हमें महानगर पालिका की राजस्व आय बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही सभी श्रमिक कर्मचारियों के लिए दुर्घटना उपरांत बीमा की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि श्रमिकों के साथ किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर इसका लाभ श्रमिकों को मिल सके। साथ ही मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने सभी कर्मचारियों से शहर के विकास में बढ़-चढ़कर योगदान देने की अपील की है।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

म्हाडा MHADA

(महाराष्ट्र गृह निर्माण एवम क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)

टेली.नं.-022-66405250, ई-मेल : eee.east1@gmail.com

संदर्भ नं. ईई/पूर्व/एमएसआईबी/ई-निविदा/लेबर सो./30/2023-24

कार्यकारी अभियंता (पूर्व) डिवीजन, मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल, (म्हाडा की इकाई), कमरा नं.536,4थी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई 400051 फोन नंबर (022) 66405251 द्वारा ई-निविदा प्रक्रिया के माध्यम से डीडीआर से पंजीकृत लेबर कॉपोरेटिव सोसायटी, पूर्व उपनगर, मुंबई से ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली के जरिए बी 1 प्रपत्र (प्रतिशत) में 07 कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल **http:/mahatenders.gov.in** पर उपलब्ध है और यहां से डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोली दस्तावेज वेबसाइट पर लोड किए जाएंगे। निविदा दस्तावेज बिक्री की आरंभिक तिथि 11/10/2024 को सुबह 10.05 बजे है तथा निविदा दस्तावेज बिक्री की अंतिम तिथि 18/10/2024 को शाम 6.15 बजे तक है। शुद्धिपत्र/संशोधन, यदि कोई होगा, तो उसे केवल **https://mahatenders.gov.in** वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा। सक्षम प्राधिकारी के पास बिना कोई कारण दर्शाए किसी भी अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है शर्तयुक्त प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

Follow us:@mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/958

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता (पूर्व),
एम. एस. आई. बी बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-राष्ट्र का अग्रणी गृहनिर्माण प्राधिकरण

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी, मुंबई 400013, **ई-निविदा नोटिस संख्याः ईएल90/एमएक्स/2024-25/12** को आमंत्रित करता है **दिनांक 03.10.2024. कार्य का नामः** ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी में ईएमयू और पारंपरिक मेमू रेक के लिए आवश्यक विभिन्न बेंचों का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण और कमीशनिंग. **कार्य काम की लागतः** ₹ 1,73,74,084/. **ईएमडीः** ₹ 2,36,900/. **निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समयः** 12:00 बजे तक निविदा प्रस्तुत करना 25.10.2024 को (इलेक्ट्रॉनिक रूप से). विवरण के लिए कृपया www.ireps.gov.in पर जाएं. **0606**

लाइक करेंः facebook.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

भारतरत्न डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर अस्पताल, कांदिवली (प.) मुंबई- 400067
नं. एचओ/बीडीबीएएच/7746/एसआर तारीख 10/10/2024

ई-निविदा सूचना

चिकित्सा अधीक्षक, भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर म्युनिसिपल जनरल हॉस्पिटल, कांदिवली (पश्चिम), मुंबई - 400 067. निम्नलिखित कार्य के लिए तीन चरण बोली ई-टेंडर आमंत्रित करता है.

ई टेंडर नोटिस के बारे में विवरण बृहन्मुंबई महानगरपालिक की वेबसाइट https:/mahatenders.gov.in पर उपलब्ध होगा।

ई-निविदा का विवरण इस प्रकार है:

अनु. क्र.	विवरण	ई टेंडर नं.	जांच शुल्क	ईएमडी	ऑनलाइन बोली डाउनलोड का आरंभ तिथि और समय	ऑनलाइन बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय
01.	एसीबी की स्थापित विभिन्न क्षमता के लिए कायाकल्प सेवा का कार्य.	2024_एमसीजीएम_1110755_1	रु. 1320/- +18%जीएसटी	रु. 5100/-	11/10/2024 को दोपहर 03.00 बजे तक	17/10/2024 को 03.00 बजे
02.	डिजिटल स्लिट लैंप इमेजिंग सिस्टम का एसआईटीसी	2024_एमसीजीएम_1111664_1	रु. 3300/- +18%जीएसटी	रु. 21000/-	11/10/2024 को दोपहर 03.00 बजे तक	17/10/2024 को 03.00 बजे
03.	संपूर्ण शरीर फोटोथेरेपी की एसआईटीसी, विविध लाभों के साथ.	2024_एमसीजीएम_11111806_1	रु. 1320/- +18%जीएसटी	रु. 10000	11/10/2024 को दोपहर 03.00 बजे तक	17/10/2024 को 03.00 बजे
04.	आरएलएफ अटैचमेंट के साथ एलईडी दूरबीन माइक्रोस्कोप का एसआईटीसी	2024_एमसीजीएम_1111813_1	रु. 660/- +18%जीएसटी	रु. 5000	11/10/2024 को दोपहर 03.00 बजे तक	17/10/2024 को 03.00 बजे
05.	ट्रिपल डन सीलिंग ओटी लाइट का एसआईटी	2024_एमसीजीएम_1111661_1	रु. 3300/- +18%जीएसटी	रु. 19000	11/10/2024 को दोपहर 03.00 बजे तक	17/10/2024 को 03.00 बजे

नोटः- बयाना राशि जमा (ईएमडी) का ऑनलाइन भुगतान करने की अंतिम तिथि निर्धारित तिथि और समय से पहले है।
- यदि कोई शुद्धिपत्र होगा तो उसे केवल बीएमसी एवं महाटेंडर वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा।

मनपा आयुक्त को किसी भी स्तर पर बिना कोई कारण बताए सभी या किसी भी ई-निविदा को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।

हस्ता/
चिकित्सा अधीक्षक
भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अस्पताल,
कांदिवली (पश्चिम)

पीआरओ/1685/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

(हाइड्रोलिक इंजीनियर विभाग)

ई-निविदा सूचना

निविदा आईडी	2024_एमसीजीएम_1109591 (वस्तु दर के आधार पर)
संगठन का नाम	बृहन्मुंबई महानगरपालिका
विषय	**एई (एम) डब्ल्यूडब्ल्यू सिटी-II के तहत आजाद मैदान जलाशय और पंपिंग स्टेशन में 370 एचपी/275 किलोवाट मोटर के मौजूदा टर्मिनल बॉक्स के संशोधन और विस्तार का कार्य।**
निविदा जांच शुल्क	रु. 3,894.00 (रु. 3,300+18%जीएसटी)
ई-निविदा की लागत (अनुमानित लागत)	NA
बोली सुरक्षा जमा /ईएमडी	रु. 12,000 (ऑनलाइन)
समयावधि	2 माह (मानसून सहित)
निविदा जारी करने और बिक्री की तारीख	10/10/2024 को सुबह 11.00 बजे से
निविदा बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय	17/10/2024 को 12.00 बजे तक
पैकेट ए, बी और पैकेट सी (ऑनलाइन) जमा करना और बोली सुरक्षा जमा की रसीद	17/10/2024 को शाम 04.00 बजे तक
बोली पूर्व बैठक	नॉट अप्लीकेबल
पैकेट ए खोलना	18/10/2024 को शाम 04.05 बजे के बाद
पैकेट बी खोलना	21/10/2024 को शाम 04.10 बजे के बाद
पैकेट सी खोलना	28/10/2024 को दोपहर 03.00 बजे के बाद
वेबसाइट	https://mahatenders.gov.in
संपर्क व्यक्ति	1.श्री. जे. बी.महाजन(एस ई):-9930260408 2.श्री.पी.टी.शिंदे (ए ई):-9930260509
संपर्क के लिए पता	कार्यकारी अभियंता (मेंटेनेंस) कार्यालय में मीटर वर्कशॉप, बीएमसी, 566, एन.एम.जोशी मार्ग, 'एस' ब्रिज के पास, भायखला (प.), मुंबई-400011.
बोली खोलने का स्थान	ऑनलाइन कार्यकारी अभियंता (मेंटेनेंस) कार्यालय में मीटर वर्कशॉप, बीएमसी, 566, एन.एम.जोशी मार्ग, 'एस' ब्रिज के पास, भायखला (प.), मुंबई-400011.

यह निविदा दस्तावेज हस्तांतरणीय नहीं है।

एमसीजीएम किसी भी आवेदन को स्वीकार करने या उपरोक्त विषय के लिए प्राप्त किसी भी या सभी आवेदनों को बिना कोई कारण बताए अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। पैकेट सी खोलने से पहले जांच शुल्क का भुगतान किया जाएगा।

हस्ता./
उप. हाइड्रोलिक अभियंता (मेंटेनेंस)

पीआरओ/1674/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

दो बजे
दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार आपको अपने कर्म पर विश्वास रखना चाहिए : अमिताभ बच्चन

रतन टाटा को भारत रत्न देने की मांग

महाराष्ट्र कैबिनेट में प्रस्ताव पारित

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने गुरुवार को एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किए जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में उद्योगपति को श्रद्धांजलि दी गई। बैठक के दौरान एक शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मंत्रिमंडल ने केंद्र से दिवंगत उद्योगपति को भारत रत्न से सम्मानित करने का अनुरोध करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया।

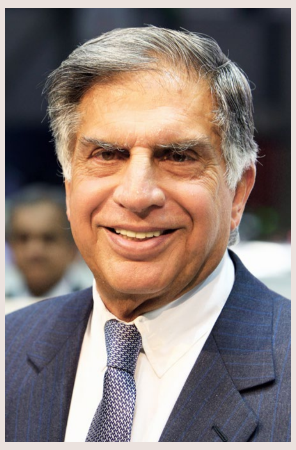

क्या है प्रस्ताव में ?

प्रस्ताव में कहा गया कि हमने एक दूरदर्शी लीडर को खो दिया जो देश और समाज के लिए प्रतिबद्ध थे। उद्योग के क्षेत्र और समाज के उत्थान में टाटा की भूमिका अद्वितीय थी। प्रस्ताव के मुताबिक, रतन टाटा को 26/11 के आतंकी हमलों के बाद उनके दृढ़ संकल्प और कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष में 1,500 करोड़ रुपए के योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कोरोना वायरस से ग्रसित रोगियों के लिए टाटा समूह के सभी होटल खोल दिए थे।

चुनाव से पहले एक्शन मोड में शिंदे सरकार

कैबिनेट मीटिंग में शिंदे सरकार ने लिए 16 बड़े फैसले

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले शिंदे सरकार की कैबिनेट ने बड़ा फैसला लिया है। गुरुवार को सीएम एकनाथ शिंदे की अगुवाई में कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में कुल सोलह बड़े फैसले लिए गए, जिसमें महाराष्ट्र के मदरसों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को ज्यादा वेतन देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई और मदरसों में पढ़ाने वाले शिक्षकों का वेतन बढ़ाया गया। कैबिनेट की बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग की क्रीमी लेयर की सीमा आठ लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये करने का प्रस्ताव भी पास किया गया।

कितना बढ़ेगा मदरसा शिक्षकों का वेतन?

कैबिनेट के फैसले के अनुसार, महाराष्ट्र में डीएड और बीएड शिक्षकों को दिए जाने वाले वेतन में वृद्धि का फैसला कैबिनेट की बैठक में लिया गया। डॉ. जाकिर हुसैन मदरसा आधुनिकीकरण योजना के तहत राज्य के मदरसों में पारंपरिक, धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ गणित, विज्ञान, समाजशास्त्र, हिंदी, मराठी, अंग्रेजी और उर्दू पढ़ाने के लिए शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है। वर्तमान में डीएड शिक्षकों को 6 हजार रुपये वेतन दिया जाता है। इसे बढ़ाकर 16 हजार रुपये करने का फैसला किया गया। बीएड, बीएससी-बीएड शिक्षकों का वेतन 8 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये करने का फैसला किया गया।

ओबीसी के गैर-क्रीमी लेयर को भी होगा फायदा

कैबिनेट की बैठक में ओबीसी के गैर-क्रीमी लेयर की सीमा आठ लाख से बढ़ाकर पंद्रह लाख रुपये करने की सिफारिश की गई। बैठक में गैर क्रीमीलेयर की आय सीमा बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध करने का निर्णय लिया गया। गैर क्रीमीलेयर में न आने वालों के लिए आय सीमा आठ लाख से बढ़ाकर पंद्रह लाख करने की केंद्र सरकार से अनुशंसा की जाएगी। इसके साथ ही बैठक में दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा को भारत रत्न देने की अनुशंसा की गई।

महाविकास अघाड़ी के नेताओं की नींद उड़ना तय

शिंदे कैबिनेट की बैठक में लिए गए इस फैसले को महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। जल्द ही विधानसभा चुनावों का ऐलान होना है। विधानसभा चुनाव से पहले शिंदे सरकार ने राज्य के मुसलमानों और अन्य पिछड़ा वर्ग को लुभाने के लिए बड़ा कार्ड खेला है। शिंदे सरकार के इस दांव के बाद महाविकास अघाड़ी के नेताओं की नींद उड़ना तय माना जा रहा है। बुधवार को महाराष्ट्र सरकार ने 15 जातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी थी। मराठा नेता मनोज जरांगे महाराष्ट्र में मराठों को ओबीसी में शामिल करने की मांग को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाया था कि मराठा समुदाय को ओबीसी में शामिल करने की सिफारिश क्यों नहीं की गई।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में नर्सरी

महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने प्रदेश में आंगनबाडी केन्द्रों में नर्सरी शुरू करने की बात कही है। सिडको कॉर्पोरेशन और पुणे मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अर्थॉरिटी को दिए गए जमीनों को कब्जे के अधिकार में बदल दिया जाएगा। केंद्र सरकार की एग्रीस्टैक योजना लागू की जाएगी।

पशुपालन और डेयरी विभाग का पुनर्गठन

इसके अलावा शिंदे सरकार ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है। भेंडेल वस्ति परियोजना जल आपूर्ति विभाग को हस्तांतरित करने की बात कही गई है। अंबेडकरनगर में मलिन बस्ती पुनर्वास के लिए निजी जमीन का मुआवजा मिलेगा। मराठवाड़ा के स्कूलों को भारत रत्न डॉ। बाबासाहेब अम्बेडकर आदर्श विद्यालय योजना में अनुदान। राज्य में अंतर्राष्ट्रीय रोजगार एवं कौशल विकास कंपनी बनाई जाएगी।

बालासाहेब ठाकरे हल्दी अनुसंधान केंद्र को अतिरिक्त राशि

इसके साथ ही एकनाथ शिंदे कैबिनेट ने बालासाहेब ठाकरे हल्दी अनुसंधान केंद्र को अतिरिक्त धनराशि देने की बात कही है। बालासाहेब ठाकरे गोरेवाड़ा अंतर्राष्ट्रीय चिड़ियाघर में अफ्रीकी सफारी परियोजना को मंजूरी मिली है। धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए बोरीवली तालुका में जमीन दी जाएगी।

समृद्धि हाईवे को जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे को मंजूरी

जालना से नांदेड़ तक समृद्धि हाईवे को जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे को मंजूरी दी गई है। आपदा शमन कार्य अब स्थानीय निकायों के माध्यम से होंगे। खेल के मैदान के लिए रहटा तालुका में कृषि निगम की भूमि। दर्जी, गवली, लड़साखी वाणी-वाणी, लोहार, नाथ पंथिया समाज के लिए निगम बनाए जाएंगे। इसके साथ ही सार्वजनिक अस्पतालों में सुलभ शौचालय की सुविधा दी जाएगी। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में पत्रकारों और घर-घर समाचार पत्र पहुंचाने वाले हॉकर के लिए दो अलग निगमों के गठन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी हैं।

अबू सलेम से जेल में मिलने आए विदेशी सहित दो लोग एटीएस की हिरासत में

दोपहर संवाददाता | मुंबई

कुख्यात गैंगस्टर अबू सलेम से नासिक जेल में मिलने वाले दो लोगों को एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस) की टीम ने गुरुवार को हिरासत में ले लिया है। इन दोनों से एटीएस की टीम गहन पूछताछ कर रही है। इस बारे में एटीएस की ओर से अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन बताया जा रहा है कि इन दोनों में एक विदेशी नागरिक और एक महिला शामिल है।

दोनों से गहन पूछताछ जारी

जानकारी के अनुसार नासिक जेल में बंद गैंगस्टर से मिलने वालों पर एटीएस की टीम ने कड़ी नजर रखा है। इसके चलते ही जब आज दो लोग उससे मिलने पहुंचे, इन दोनों को एटीएस की टीम ने हिरासत में लिया है। दोनों से गहन पूछताछ जारी है।

बम ब्लास्ट का आरोपी है अबू सलेम

उल्लेखनीय है कि गैंगस्टर अबू सलेम मुंबई में बम ब्लास्ट के बाद फरार हो गया था। अबू सलेम को 19 साल पहले पुर्तगाल में गिरफ्तार किया गया था और उसे उसकी गर्लफ्रेंड फिल्म अभिनेत्री मोनिका बेदी के साथ भारत लाया गया था। अबू सलेम को मुंबई बम ब्लास्ट मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। शुरुआत में सलेम को सजा भुगतने के लिए मुंबई स्थित आर्थर रोड जेल में रखा गया था। लेकिन आर्थर रोड जेल में सलेम पर हमला हुआ था, इसलिए उसे नवी मुंबई स्थित तलोजा जेल के अंडा सेल में स्थानांतरित कर दिया गया था। लेकिन तलोजा के अंडा सेल की मरम्मत की वजह से सलेम को हाल ही में नासिक जेल में शिफ्ट किया गया है।

संपादकीय

घाटी में महका लोकतंत्र

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में चुनाव के बाद आए एग्जिट पोल में त्रिशंकु विधानसभा के कयास लगाए जा रहे थे। लेकिन जब मंगलवार को चुनाव परिणाम सामने आए तो जम्मू-कश्मीर के मतदाताओं ने स्पष्ट जनादेश दिया। चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस व कांग्रेस गठबंधन को निर्णायक जीत मिली है। निश्चय ही पांच साल पुराने इस केंद्र शासित प्रदेश के लिये यह एक नई शुरुआत है। जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में मतदाताओं ने खंडित जनादेश देने के बजाय एक स्थिरता को चुना। उन्होंने राजनीतिक जोड़-तोड़ की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया, जैसा कि एग्जिट पोल में त्रिशंकु विधानसभा के कयास लगाए जा रहे थे। इस बीच उपराज्यपाल द्वारा नियुक्त होने वाले पांच विधायकों का सवाल भी उठा, जिनके पास मतदान का अधिकार होगा। बहरहाल, अब विजयी गठबंधन और केंद्र सरकार के लिये असली परीक्षा की शुरुआत हो रही है। इसमें सत्ता सौंपने के लिये बातचीत की प्रक्रिया भी शामिल होगी। जनादेश के बाद केंद्रशासित प्रदेश में विश्वास बहाली प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि उपराज्यपाल व निर्वाचित सरकार के बीच किसी तरह का टकराव पैदा न हो। भरोसा किया जाना चाहिए कि जनादेश का सम्मान किया जाएगा। हम उम्मीद करें कि अतीत की अप्रिय स्थितियों की छाया वर्तमान लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर नजर नहीं आएगी। आशा की जानी चाहिए कि पूर्ववर्ती राज्य के दौरान हिंसा, क्षेत्रीय विभाजन, सांप्रदायिक तनाव व अलगाव की धारणाएं अतीत की बातें बन जाएं। वे नए जनादेश की आगे की यात्रा में बाधक नहीं बनेंगी। हालिया चुनाव के दौरान मतदाताओं के उत्साह व लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति ने सुखद अहसासों को पुष्ट किया है। अच्छी बात है कि क्षेत्र में लंबे समय बाद चुनाव बहिष्कार और चुनावी प्रक्रिया के प्रति अवमानना का साया हट गया है। चुनाव अभियान के दौरान मतदाताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने आशा जगायी है कि घाटी में लोकतांत्रिक परंपराएं समृद्ध होंगी। भारतीय संघ के हिस्से के रूप में जम्मू-कश्मीर में स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा सशक्त हो, यह प्रयास केंद्र सरकार की तरफ से लगातार होना ही चाहिए। यह अच्छी बात है कि केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद अब स्थितियां सामान्य हुई हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भी मतदाताओं ने उत्साह से मतदान में भाग लिया था। वैसा ही उत्साह इस विधानसभा चुनाव के दौरान भी देखा गया। यह अच्छा है कि जम्मू-कश्मीर में जिस त्रिशंकु विधानसभा के कयास लगाए जा रहे थे, वास्तविकता ठीक उसके विपरीत रही। जम्मू-कश्मीर के मतदाताओं ने एक तरह से पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी को सिरे से खारिज कर दिया। यहां तक कि पीडीपी सुप्रीमो महबूबा मुफ्ती की बेटी भी चुनाव हार गई। भाजपा को जम्मू में जरूर बढ़त मिली मगर घाटी में वह खाता नहीं खोल सकी। जिसको लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। बहरहाल, नई सरकार बनाने के लिये मतदाताओं द्वारा दिए गए संदेश को संवेदनशील ढंग से समझने की जरूरत है निश्चित रूप से जम्मू-कश्मीर के लोग शेष देश की तरह महंगाई व बेरोजगारी की समस्या से दो चार हैं। उनकी समस्याओं का तार्किक समाधान तलाशना चाहिए। इस सीमावर्ती क्षेत्र की संवेदनशीलता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्हें वे हक दिए जाने चाहिए जो उनके जीवन में सुधार लाने में सहायक बन सकें। निश्चित रूप से अनुभवी राजनीतिक पार्टियों नेशनल कान्फ्रेंस व कांग्रेस के गठबंधन के लिये लिये सत्ता की बागडोर संभालना कोई नई बात नहीं है। लेकिन उन्हें इस क्षेत्र की बदली हुई आवश्यकताओं को पहचानना होगा। निश्चित रूप से अब गलतियों की पुनरावृत्ति की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। केंद्र सरकार को स्वीकारना चाहिए कि इस केंद्र शासित प्रदेश में राज्य बहाली की मांग एक वैध जन आकांक्षा है। लेकिन इसे राजनीतिक बयानबाजी से परे रखना होगा। साथ ही सामाजिक एकजुटता और आर्थिक समृद्धि के लिये काम करना होगा। जिससे घाटी के लोग देश की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

शख्सियत | जयप्रकाश नारायण

सम्पूर्ण क्रांति और भारतीय लोकतंत्र के चैंपियन

जयप्रकाश नारायण, जिन्हें अक्सर जेपी के नाम से जाना जाता है, एक प्रमुख भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता और राजनीतिक नेता थे, जिन्होंने आधुनिक भारतीय राजनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 11 अक्टूबर, 1902 को बिहार में जन्मे जेपी महात्मा गांधी के अहिंसा और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों से बहुत प्रभावित थे। संयुक्त राज्य अमेरिका में अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद, जहाँ वे मार्क्सवादी विचारों से परिचित हुए, जेपी 1929 में भारत लौट आए और भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए।

जयप्रकाश नारायण ने कांग्रेस की समाजवादी शाखा का समर्थन किया और 1934 में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी (सीएसपी) को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे बड़े राष्ट्रवादी संघर्ष के भीतर समतावादी आदर्शों को बढ़ावा मिला। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेपी की राजनीतिक सक्रियता एक महत्वपूर्ण ऊंचाई पर पहुंच गई, जिसके लिए उन्हें ब्रिटिश अधिकारियों ने कैद कर लिया।

1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, जेपी धीरे-धीरे कांग्रेस पार्टी से मोहभंग हो गए, खासकर जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में। उनका मानना था कि कांग्रेस अपने मूल मूल्यों से भटक गई है और बहुत अधिक केंद्रवादी और नौकरशाही बन रही है। इस कारण उन्होंने 1950 के दशक की शुरुआत में मुख्यधारा की राजनीति से बाहर निकलकर सर्वोदय आंदोलन के माध्यम से सामाजिक सुधार पर ध्यान केंद्रित किया, जो गांधी के विकेंद्रीकृत, समुदाय-आधारित शासन के दृष्टिकोण से प्रेरित था। जेपी को 1970 के दशक में उनके संपूर्ण क्रांति आंदोलन के लिए सबसे अधिक याद किया जाता है, जिसका उद्देश्य प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासन में व्यापक भ्रष्टाचार, आर्थिक असमानता और राजनीतिक दमन को संबोधित करना था।

अहिंसक क्रांति के लिए उनके आह्वान ने जनता, विशेष रूप से छात्रों को प्रभावित किया, जिसके कारण बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। उनके आंदोलन की परिणति 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा घोषित आपातकाल में हुई, जिसके दौरान जेपी को गिरफ्तार किया गया, जो असहमति के दमन का प्रतीक था।

आपातकाल के बाद, जेपी के नेतृत्व ने जनता पार्टी के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने 1977 के चुनावों में इंदिरा गांधी को हराया, जो स्वतंत्रता के बाद के भारत में पहली बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल थी। जयप्रकाश नारायण का निधन 8 अक्टूबर 1979 को हुआ।

तार्किक वजह भी तो है इस खामोशी की

क्षमा शर्मा

मध्यकाल के महान भक्त कवि तुलसीदास ने लिखा था- कोउ नृप होय, हमें का हानि। सोचिए कि तुलसी ने ऐसा क्यों लिखा होगा। हानि शब्द पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कारण यह है कि सत्ता के बारे में अकसर लोग शंकित रहते हैं कि सत्ता में जो हो, उससे जरा बचकर रहना चाहिए। वह लाभ पहुंचाए या न पहुंचाए, हानि तो जरूर पहुंचा सकता है। आज के दौर में भी यह बात पूरी तरह से सच है। नेताओं से तो लोग वैसे ही डरकर रहते हैं। हरियाणा चुनाव में हमने देखा कि लगभग सारे एग्जिट पोल्स, ओपिनियन पोल्स, बुद्धिजीवियों की फौज की लगातार की बहुत-सी बहसें, गलत साबित हुईं। जून में लोकसभा चुनाव के वक्त भी यही हुआ था। योगेंद्र यादव, जो खुद हरियाणा के हैं, हाल ही में उन्होंने एक भाषण के दौरान कहा था कि हरियाणा में कांग्रेस के बारे में तीन बातें कही जा सकती हैं कि कांग्रेस की हवा बह रही है, कांग्रेस की आंधी चल रही है या कांग्रेस की सुनामी आ रही है। हरियाणा के परिणाम के बाद मशहूर पत्रकार बरखा दत्त को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह गलत साबित हुए और इसका खेद है। उन्होंने कहा कि अब तक उन्होंने लगभग सौ चुनावी विश्लेषण किए हैं, मगर चुनाव का ऐसा उलटफेर पहली बार देखा। योगेंद्र यादव मशहूर चुनावी विश्लेषक या सैफोलोजिस्ट रह चुके हैं। उनका यह बड़प्पन माना जाएगा कि अपनी गलती फौरन स्वीकार भी की। अक्सर लोग ऐसा नहीं करते हैं। समय के साथ तमाम चुनावी विश्लेषणों की विश्वसनीयता पर संकट गहराता जा रहा है। कई बार तो लगता है कि जैसे कोई कहीं गया ही नहीं । बैठकर ही, कुछ से बातें करके करोड़ों, लाखों के आंकड़े निकाल लिए गए। जम्मू-कश्मीर का चुनाव जीतने के बाद उमर अब्दुल्ला ने कहा भी कि एग्जिट पोल खामखा का टाइम वेस्ट है। दरअसल, ऐसा महसूस होता है कि चुनावी विश्लेषक लोगों को अपने से कम बुद्धिमान समझते हैं। बहुत से बुद्धिजीवियों और पत्रकारों का भी यही हाल है। उन्हें लगता है कि जो वे बता रहे हैं, बस वही सच है। जबकि ऐसा होता नहीं है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का यह बयान गौर करने लायक है कि उनकी पार्टी की जीत में साइलेंट वोटर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आखिर यह साइलेंट वोटर कौन होता है। वही न जो अपने मन की बात किसी को नहीं बताता। और क्यों बताए। विश्लेषक तो अपने-अपने माइक्रोफोन लेकर निकल लेंगे, कभी न लौटने के लिए। भुगतना तो उसे पड़ेगा। वैसे भी स्थानीय नेताओं का खुलेआम विरोध करके कौन आफत मोल लेना चाहता है। खुलकर विरोध वे लोग नहीं कर पाते जो, अकेले होते हैं, घर परिवार और जीवन चलाना होता है। जिनके पीछे किसी न किसी संगठन की ताकत होती है, वे ही खुलकर बोल पाते हैं क्योंकि यदि कोई मुसीबत आए भी तो संगठन के लोग उन्हें बचा सकते हैं। खुलकर विरोध का मतलब कई बार जीवन भर की दुश्मनी मोल लेना भी होता है। इसे अनुभूत उदाहरणों से बताना चाहूंगी। जिस संस्थान में काम करती थी, वहां यूनियन के चुनावों के दौरान अकसर ही सभी गुटों और नेताओं से यही कहना पड़ता था कि हां जी आपको ही वोट देंगे। दरअसल, जो लोग सत्ता में आते थे, और उन्हें पता चल जाए कि इस आदमी या महिला ने हमें वोट नहीं दिया, तो उसके इन्क्रीमेंट, प्रमोशन रुकवाने की कोशिश, छिपाकर नहीं, बताकर की जाती थी कि तुमने हमें वोट नहीं दिया था, तो हम तुम्हारा प्रमोशन क्यों होने दें।

इसी तरह एक सोसायटी में रहने वाली महिला ने बताया था कि उसकी सोसायटी का जनरल सेक्रेटरी उसकी रजिस्ट्री नहीं होने दे रहा है। पूछने पर उसने कहा कि वे लोग कहते हैं कि तुमने हमें वोट नहीं दिया, तो हम तुम्हारी रजिस्ट्री क्यों होने दें। वोटर क्यों किसी बाहर वाले को अपने मन की बात नहीं बताता, इसे इन दो उद्धरणों से समझा जा सकता है। चुनावी विश्लेषक सोचते हैं कि जो लोग कह रहे हैं, वही अंतिम सत्य है और वे अपने आंकड़ों में उसे ही परोस देते हैं। उमर अब्दुल्ला ने आखिर गलत भी नहीं कहा। आखिर क्यों इन विश्लेषणों पर लाखों-करोड़ों रुपए खर्च किए जाएं और नतीजा सिफर रहे। ऊपर तुलसी की पंक्तियों में जिस हानि की बात कही गई, वह बार-बार साबित होती है। और वैसे भी जब कोई अपने आसपास वालों तक को अपने मन की बात नहीं बताता, तो बाहर से आए इन तथाकथित विशेषज्ञों को क्यों बताए। ये बार-बार चाहे कहते रहें कि वोटर का मूड इन्हें पता चल गया है, लेकिन गलत साबित हुए एग्जिट पोल यही बताते हैं कि वोटर इन्हें अपने मूड की, अपने मन की बात की भनक तक नहीं लगने देता। लोकतंत्र में अगर हार-जीत न हो, तो वह किस बात का लोकतंत्र। लेकिन देश की परिपक्व पार्टी यदि इस तरह से रिएक्ट करती है, उससे भी आश्चर्य होता है। आप जीत जाएं तो न इलेक्शन कमीशन गलत है, न ईवीएम गलत हैं। लेकिन जैसे ही हारते हैं, रुदन शुरू हो जाता है। सब बातों पर प्रश्न उठाए जाने लगते हैं। आखिर क्यों। जब जीतते हैं, तब भी तो वही चुनाव आयोग होता है, वही ईवीएम भी होती हैं। इस तरह की प्रतिक्रियाएं देखकर बच्चे याद आते हैं, जो कभी हारना नहीं चाहते। हार जाएं तो रोते हुए कहते हैं कि मैं नहीं हारा। मैं नहीं मानता। इस तरह की प्रतिक्रियाएं बहुत हास्यास्पद लगती हैं। और एक तरह से वोटरों का अपमान भी। आखिर आप वोटर के विवेक पर यकीन क्यों नहीं करते। जिस बैलट पेपर को बार-बार वापस लाने की बातें की जा रही हैं, क्या हम वे दिन भूल गए हैं, जब लोगों को वोट ही नहीं डालने दिए जाते थे। लोग वोट डालने जाते थे, तो कहा जाता था कि वोट तो पड़ चुका। वोटों के बक्से छीन लिए जाते थे। कोई भी तकनीक सौ फीसदी सुरक्षित नहीं होती, यह माना जा सकता है।

वैसे भी हरियाणा में ऐसा तो नहीं हुआ है कि कांग्रेस की स्थिति खराब हो। इस दल को भी सैंतीस सीटें मिली हैं, जो भारतीय जनता पार्टी से मात्र ग्यारह कम हैं। तो फिर इतने विरोध का कारण क्या है। यानी कि एग्जिट पोल पर सौ फीसदी भरोसा। दरअसल, यह भरोसा भी तभी होता है जब एग्जिट पोल आपको जीतते दिखाएं। जब भी एग्जिट पोल जिस दल को हराने की बात करते हैं, तो वे यही कहते हैं कि इनका क्या भरोसा। ऐसा जून में हमने होते देखा था। जब लोकसभा के चुनावों में भाजपा को भारी बहुमत की घोषणा लगभग सभी एग्जिट पोल्स ने की थी और कांग्रेस तथा अन्य दलों ने इन पर अविश्वास जताया था। हालांकि एग्जिट पोल्स गलत साबित हुए थे। सभी दलों को ये पंक्तियां जरूर याद रखनी चाहिए- क्या हार में क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत मैं।

जीवन मंत्र

भक्ति और संस्था

श्री श्री रविशंकर

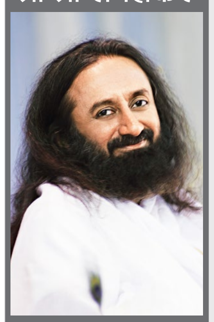

स्वभाव से भक्ति और संस्था दोनों विपरीत हैं, किंतु ये दोनों अलग भी नहीं हो सकते।

इरादे हमें तनाव में रखते हैं। तनाव में कभी गहन विश्राम नहीं होता। भक्ति इरादों को विलीन करती है। इरादे आपको भविष्य में धकेलते हैं, परंतु आनंद हमेशा वर्तमान में है। जो इस सत्य के प्रति जागरूक हो जाए, वह ज्ञानी है। कभी यदि परमानंद की अवस्था में कोई इरादा उत्पन्न हो भी जाए, तो अप्रयास ही साकार हो जाता है। प्रार्थना स्वीकार होने के लिए तीव्र आकांक्षा की आवश्यकता है। आकांक्षा जितनी अधिक तीव्र होगी और उसके पूर्ण होने में जितनी देरी लगेगी, कृतज्ञता का भाव उतना ही अधिक होगा। तीव्र आकांक्षा आपको भक्ति की ओर ले जाती है। आकांक्षा के तीव्र होने के लिए समय और प्रयोजन की आवश्यकता है। जब किसी तीव्र आकांक्षा की पूर्ति होती है, तब कृतज्ञता का भाव इतना विह्वल कर देता है कि उसकी पूर्ति का महत्व और आकर्षण खो जाता है। बहुधा लोग अपने को भाग्यहीन समझते हैं, यदि उनकी इच्छाएं शीघ्रता से पूर्ण नहीं होतीं। तीव्र आकांक्षा आपको हताश कर सकती है या प्रार्थनाशील बना सकती है। प्रार्थनाशीलता में भक्ति और कृतज्ञता है। कोई भी गहन अनुभूति आपको संपूर्ण बनाती है। दिव्यता की प्राप्ति आपकी उत्कंठा की तीव्रता पर निर्भर है, इस पर नहीं कि आप कितना समय देते हैं या आपकी योग्यता क्या है? गांवों में एक कहावत है कि फूल तोड़ने में भी कुछ वक्त लग सकता है, परंतु ईश्वर को पाने में कोई समय नहीं लगता। केवल आपकी उत्कंठा में तीव्रता होनी चाहिए। याद रखिए, इच्छा और उत्कंठा में अंतर है। इच्छा दिमाग का ज्वर है, उत्कंठा हृदय की पुकार है। इसी तरह, संस्था व्यवस्था है और भक्ति अव्यवस्था। संस्था में छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना पड़ता है, एक भौतिक सजगता की आवश्यकता होती है; संस्था का मतलब है सांसारिकता। भक्ति है खो जाना, संसार को भुला देना और आनंद में रहना। स्वभाव से भक्ति और संस्था दोनों विपरीत हैं, किंतु ये दोनों अलग भी नहीं हो सकते। एक-दूसरे के बिना इनका अस्तित्व ही नहीं। भक्ति के बिना कोई भी संस्था नहीं बन सकती। भक्ति आपमें निष्ठा, अनुकंपा और उत्तरदायित्व लाती है। जब आप परवाह करते हैं, जिम्मेदारी महसूस करते हैं, ज्ञान और प्रेम बांटना चाहते हैं, तब संस्था उत्पन्न होती है। भक्ति द्वारा ही संस्था विद्यमान रहती है।

यदि आप भक्त हैं, तो बैठे नहीं रहेंगे। भक्ति का स्वभाव है कुछ देना। आप भक्त हैं, लेकिन संसार की परवाह नहीं कर रहे, तो आप स्वार्थी हैं। सच्ची भक्ति का अर्थ है, ईश्वर के साथ एक हो जाना और ईश्वर तो सारे संसार का ध्यान रखते हैं। व्यवस्था करने में प्रायः आप भक्ति खो देते हैं और अक्सर भक्ति के नाम पर कुछ गड़बड़ करते हैं या संस्था की उपेक्षा करते हैं। भक्ति व संस्था, दोनों में होने के लिए आपको संत होना पडेग़ा।

जीवन ऊर्जा

अमिताभ बच्चनः जन्म-11 अक्टूबर 1942 | जन्म

11 अक्टूबर 1942 को जन्मे अमिताभ बच्चन भारत के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक हैं। बॉलीवुड 'शहंशाह' के रूप में जाने जाने वाले, उनकी शानदार उपस्थिति और गहरी आवाज़ ने पांच दशकों से भी ज्यादा समय तक दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। अनगिनत पुरस्कारों के साथ, वे भारतीय सिनेमा और सांस्कृतिक इतिहास में एक सम्मानित व्यक्ति बने हुए हैं।

आपको अपने कर्म पर विश्वास रखना चाहिए

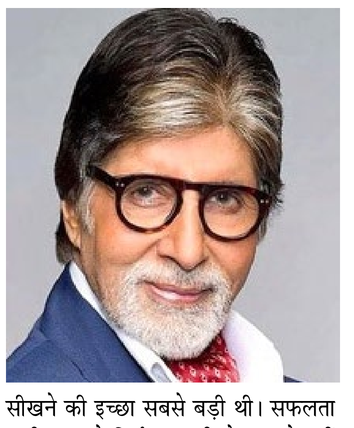

मुझे हर वक्त अपने काम का डर रहता है। हर फिल्म के पहले मुझे लगता है कि मैं कहीं फेल न हो जाऊं। आपको सफलता तब मिलती है जब आपका जुनून और समर्पण आपको अपने सपने के और करीब ले जाता है। मैं कभी अपनी पहचान नहीं बना पाया, दुनिया ने बनाई। मैं मानता हूं कि समय और परिस्थितियां आपके साथ खेल खेलती हैं, पर आपको अपने कर्म पर विश्वास रखना चाहिए। मैं कभी भी अपने सफर को अपने दम पर नहीं देख पाया हूं। जो भी मुझे मिला है, वो किसी और की देन है। ज़िंदगी में कभी-कभी नाकामियों का सामना करना पड़ता है। पर वही समय आपको आपके आप के सबसे करीब लाता है। मेरे लिए कभी भी पैसा सबसे बड़ा प्रेरणा नहीं रहा है, काम करने की भूख और नई चीज़ सीखने की इच्छा सबसे बड़ी थी। सफलता कभी आपको सिर्फ आपकी मेहनत से नहीं मिलती, उसमें किस्मत का भी बहुत बड़ा हाथ होता है। जब आप सफल होते हैं तो आपके दोस्तों की संख्या बढ़ जाती है, और जब आप असफल होते हैं तो आप समझते हैं कि आपके असली दोस्त कौन हैं। ज़िंदगी के हर मोड़ पर नई चीजें सीखनी पड़ती हैं। हम कभी भी सब कुछ नहीं जान सकते। आज का काम कल पर नहीं छोड़ना चाहिए। मुझे ऐसा लगता है कि हर दिन अपना पूरा देना चाहिए। मैं अपनी सफलता और असफलता दोनों को एक जैसे ही लेता हूं, क्योंकि ये दोनों सिर्फ आपको एक सीख देने आती हैं। हर दिन एक नई शुरुआत है, और मुझे लगता है कि जब तक आप जीवित हैं, तब तक आप सीख रहे हैं। मुझे हमेशा ऐसा लगता है कि आप जितने भी बड़े इंसान हो जाएं, आपको कभी अपनी ज़मीन नहीं छोड़नी चाहिए। गलतियां करना इंसान की फितरत में होता है, लेकिन वही इंसान बड़ा होता है जो अपनी गलतियों से सीखता है। ज़िंदगी एक ऐसी कहानी है जिसमें हर मोड़ पर आपको कुछ नया सीखने को मिलता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

परहित सरिस धर्म नहीं भाई, पर पीड़ा सम नहीं अधमाई

(भाग 1)

एक बार भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन भ्रमण के लिए कहीं निकले थे तो उन्होंने मार्ग में एक निर्धन ब्राह्मण को भिक्षा मांगते देखा तो अर्जुन को उस पर दया आ गयी और उन्होंने उस ब्राह्मण को स्वर्ण मुद्राओ से भरी एक पोटली दे दी जिसे पाकर ब्राह्मण प्रसन्नता पूर्वक अपने सुखद भविष्य के सुन्दर स्वप्न देखता हुआ घर की ओर लौट चला किन्तु उसका दुर्भाग्य उसके साथ चल रहा था राह में एक लुटेरे ने उससे वो पोटली छीन ली ।बेचारा वह ब्राह्मण दुखी होकर फिर से भिक्षावृत्ति में लग गया।

अगले दिन फिर अर्जुन की दृष्टि जब उस ब्राह्मण पर पड़ी तो उन्होंने उससे इसका कारण पूछा ब्राह्मण ने सारा विवरण अर्जुन को बता दिया उसकी व्यथा सुनकर अर्जुन को फिर से उस पर दया आ गयी अर्जुन ने अपने मन में विचार किया और इस बार उन्होंने ब्राह्मण को एक मूल्यवान एक माणिक दे दिया ब्राह्मण उसे लेकर घर पंहुचा। उसके घर में एक पुराना घड़ा था जो बहुत समय से प्रयोग नहीं किया गया था।

ब्राह्मण ने चोरी होने के भय से माणिक उस घड़े में छुपा दिया किन्तु उसका दुर्भाग्य दिन भर का थका मांदा होने के कारण उसे नींद आ गयी इस बीच ब्राह्मण की स्त्री नदी में जल लेने चली गयी किन्तु मार्ग में ही उसका घड़ा टूट गया उसने सोचा घर में जो पुराना घड़ा पड़ा है उसे ले आती हूँ ऐसा विचार कर वह घर लौटी और उस पुराने घड़े को ले कर चली गई और जैसे ही उसने घड़े को नदी में डुबोया वह माणिक भी जल की धारा के साथ बह गया ब्राह्मण को जब यह बात पता चली तो अपने भाग्य को कोसता हुआ वह फिर भिक्षावृत्ति में लग गया।

अर्जुन और श्री कृष्ण ने जब फिर उसे इस दरिद्र अवस्था में देखा तो जाकर उसका कारण पूछा सारा वृतांत सुनकर अर्जुन को बड़ी हताशा हुई और मन ही मन सोचने लगे इस अभागे ब्राह्मण के जीवन में कभी सुख नहीं आ सकता उसके बाद भगवान श्री कृष्ण ने कुछ विचार कर ब्राह्मण को दो पैसे दान में दिए यह देख अर्जुन ने उनसे पुछा "प्रभु मेरी दी मुद्रायें और माणिक भी इस अभागे की दरिद्रता नहीं मिटा सके तो इन दो पैसों से इसका क्या होगा। (क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

क्षमताओं को पहचानिए

एक गांव में एक आलसी आदमी रहता था। वह दिन भर निठल्ला बैठकर यही सोचता रहता था कि किसी तरह कुछ खाने को मिल जाए। एक दिन वह घूमते-घूमते एक आम के बाग में जा पहुंचा। आम देखकर वह आम तोड़ने एक पेड़ पर चढ़ गया, लेकिन जैसे ही वह पेड़ पर चढ़ा, बाग का मालिक वहां आ गया। बाग़ के मालिक को देखकर आलसी व्यक्ति काफी डर गया और जैसे-तैसे पेड़ से उतरकर वहां से भाग गया। भागते-भागते वह गाँव से काफी दूर एक जंगल में जा पहुँचा। वह थककर एक पेड़ के नीचे बैठ गया। तभी उसकी नजर एक लोमड़ी पर पड़ी जिसकी एक टांग टूटी हुई थी और वह लंगड़ाकर चल रही थी। लोमड़ी को इस हालत में देख आलसी आदमी सोचने लगा कि जंगली जानवरों से भरे इस जंगल में ये लोमड़ी बच कैसे गई? यह अब तक कैसे जीवित है। वह यह जानने के लिए एक पेड़ में चढ़ गया और लोमड़ी को देखने लगा। कुछ ही देर बाद शेर की भयंकर दहाड़ से पूरा जंगल गूंज उठा। शेर की दहाड़ सुनकर सभी जानवर भागने लगे, लेकिन लोमड़ी वहीं खड़ी रही। तभी शेर लोमड़ी के पास आया और एक मांस का टुकड़ा लोमड़ी के सामने गिरा दिया। लोमड़ी इत्मिनान से मांस के उस टुकड़े को खाने लगी। इसके बाद शेर वहां से चला गया। इस घटना को देख आलसी आदमी कहने लगा भगवान सच में सर्वेसर्वा है, उसने धरती के समस्त प्राणियों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था कर रखी है। घर आकर वो सोचने लगा भगवान ने मेरी व्यवस्था भी की होगी। मेरा भोजन भी आ ही जाएगा और वो बिस्तर पर लेटकर प्रतीक्षा करने लगा। कुछ दिन बीत गए और उसका भूख से बुरा हाल होने लगा। जब उसका भूख से बुरा हाल हो गया तो वो घर से बाहर निकला तो उसे एक साधु दिखाई दिए। वह उनके पास गया और जंगल का सारा वृतांत सुनाया और बोला बाबा भगवान मेरे साथ ऐसा क्यों कर रहे हैं? उन्होंने जानवरों के लिए भी भोजन की व्यवस्था की हुई पर इंसानों के लिए नहीं।"

तब साधु ने कहा, "बेटा, ऐसी बात नहीं है। भगवान ने हर किसी के लिए व्यवस्था की है। तुम्हारे लिए भी भगवान ने व्यवस्था की हुई है। लेकिन बात यह है कि भगवान तुम्हें लोमड़ी नहीं बल्कि शेर बनाना चाहते हैं।"

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

दो बजे दोपहर

न्यूज़ ब्रीफ

रिश्वतखोरी के आरोप में सेंट्रल GST के 2 अधिकारी गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात एंटी करप्शन ब्यूरो ने गुरुवार को अहमदाबाद में रिश्वतखोरी के आरोप में दो केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों और एक बिचौलिए को गिरफ्तार किया है। आरोपी अधिकारियों की पहचान ऑडिट सुपिरटेंडेंट रिजवान शेख, CGST इंस्पेक्टर कुलदीप कुशवाह के रूप में हुई है। बिचौलिए का नाम भौमिक सोनी है। शेख ने हाल ही मेंएक बुलियन ट्रेडिंग फर्म के मालिक को जुलाई 2017 से मार्च 2023 तक के उनके खातों का ऑडिट करने के लिए नोटिस जारी किया था। इसके बाद इंस्पेक्टर कुशवाह ने इसके फर्म जाकर ऑडिट के लिए आवश्यक जरूरी दस्तावेजों के साथ ऑफिस आने को कहा।कागजातों की जांच बाद दोनों अधिकारियों ने व्यापारी से कहा कि खातों में गड़बड़ी के लिए उसे 35 लाख रुपए का जुर्माना देना होगा। इसके बाद जुर्माना कम करने के लिए व्यापारी से 1.25 लाख रुपए रिश्वत की मांग की। जिसकी शिकायत पर दोनों अधिकारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा गया।

मणिपुर में 3 दिन में बड़ी तादाद में हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर में इंफाल पूर्वी जिले के चम्फाई पहाड़ी में बुधवार को सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए। पुलिस ने बताया कि मणिपुर के विभिन्न हिस्सों में एक ऑपरेशन चलाया गया जिसमें पिछले तीन दिनों में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने चम्फाई से M-16 राइफल, 22 राइफल, 2 एसएलआर, देशी स्टेन गन, 2 कार्बाइन, 8 पिस्तौल, 12 मोर्टार और 30 मैगजीन जब्त कीं। वहीं लुवांगशांगबाम इलाके में एक अन्य ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने 32 बोर की 2 पिस्तौल, 9 एमएम की 1 पिस्तौल समेत अन्य चीजें बरामद की। इसी तरह का एक ऑपरेशन खेलाखोंग और बिष्णुपुर जिले के गेलबुंग गांव में भी चलाया गया। जहां उन्हें एके-47 राइफल, 12 बोर की एक सिंगल बैरल राइफल, 5 डेटोनेटर और ढाई किलोग्राम आईईडी जब्त की।

देश के 11 लाख बच्चे बाल विवाह के खतरे में

नई दिल्ली। नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (NCPCR) ने गुरुवार को एक रिपोर्ट जार कर कहा कि उसने साल 2023-24 में ऐसे 11 लाख बच्चों की पहचान की है, जो बाल विवाह के खतरे में थे। कमीशन के मुताबिक अकेले उत्तर प्रदेश में ऐसे 5 लाख से अधिक ऐसे बच्चे हैं, जो बाल विवाह के खतरे में हैं। NCPCR ने बताया कि उसने बाल विवाह रोकने वाले अधिकारियों, जिला प्राधिकरण और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत कई कदम उठाए हैं। यह रिपोर्ट वर्चुअल रिव्यू मीटिंग्स के बाद तैयार की गई, जिसमें जिला अधिकारियों और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बातचीत की गई। रिपोर्ट में ऐसे बच्चों का डेटा पेश किया गया, जिनके स्कूल छोड़ने का खतरा था। स्कूल छोड़ना बाल विवाह में योगदान देने वाली एक बड़ी वजह है। इसे मुद्दे को लेकर उत्तर प्रदेश सबसे सक्रिय रहा, उसके बाद मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई। कमीशन के मुताबिक बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में 1.2 करोड़ से भी ज्यादा लोगों को जागरूकता अभियान में जोड़ा गया। इस अभियान के तहत उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सबसे आगे रहे।

अमेरिका से खरीदे जाएंगे 31 प्रीडेटर ड्रोन

देश में बनेंगी दो परमाणु पनडुब्बियां • कैबिनेट समिति ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय नौसेना और रक्षा बलों की निगरानी क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने स्वदेशी रूप से दो परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण और अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने के लिए प्रमुख सौदों को बुधवार को मंजूरी दे दी। रक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने कुल 80,000 करोड़ के सोदों को मंजूरी दी। भारतीय नौसेना को दो परमाणु ऊर्जा से चलने वाली हमलावर पनडुब्बियां मिलेंगी जोकि हिंद महासागर क्षेत्र में इसकी क्षमताओं को कई गुना बढ़ाने में मदद करेंगी। सूत्रों के अनुसार विशाखापत्तनम में शिप बिल्डिंग सेंटर में दो पनडुब्बियों के निर्माण का सौदा लगभग 45,000 करोड़ रुपये का है और इसमें लार्सन एंड टूब्रो जैसी निजी क्षेत्र की फर्मों की प्रमुख भागीदारी होगी।

सौदा लंबे समय से लटका हुआ था

यह सौदा लंबे समय से लटका हुआ था और भारतीय नौसेना इस पर जोर दे रही थी क्योंकि यह पानी के नीचे की क्षमता की कमी को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता थी। भारत की स्वदेशी पनडुब्बी शामिल करने की योजना के तहत दीर्घावधि में ऐसी छह पनडुब्बियां अपने बेड़े में शामिल करने की योजना है।

अमेरिकी जनरल एटॉमिक्स से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदे : महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल परियोजना के तहत बनने जा रही ये पनडुब्बी उसी स्थान पर अरिहंत श्रेणी के तहत बनाई जा रही पांच परमाणु पनडुब्बियों से अलग हैं। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा मंजूर किया गया दूसरा बड़ा सौदा अमेरिकी जनरल एटॉमिक्स से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने का है। यह सौदा भारत-अमेरिका के बीच विदेशी सैन्य बिक्री अनुबंध के तहत है। इस सौदे को 31 अक्टूबर से पहले मंजूरी मिलनी थी क्योंकि अमेरिकी प्रस्ताव की वैधता तभी तक थी। अब इस पर अगले कुछ दिनों में ही हस्ताक्षर होंगे।

वायु सेना को आठ-आठ ड्रोन मिलेंगे

उन्होंने बताया कि अनुबंध के अनुसार, रक्षा बलों को सौदे पर हस्ताक्षर करने के चार साल बाद ड्रोन मिलने शुरू हो जाएंगे। भारतीय नौसेना को 31 में से 15 ड्रोन मिलेंगे। थल सेना और वायु सेना को आठ-आठ ड्रोन मिलेंगे।

उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के नए सीएम

सर्वसम्मति से चुने गए NC विधायक दल के नेता

एजेंसी | श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने शानदार प्रदर्शन किया। कांग्रसे के साथ चुनाव में उतरी नेशनल कॉन्फ्रेंस को 42 सीटों पर जीत मिली। कांग्रेस ने 6 सीटों पर कब्जा जमाने में कामयाब हुई। अब, जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी क्रम में नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायक दल की बैठक में पार्टी के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बताया कि सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से उमर अब्दुल्ला को अपना नेता चुना है। फारूक अब्दुल्ला ने पहले ही साफ कर दिया है कि उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री होंगे।

उमर अब्दुल्ला ने विधायकों का जताया आभार

विधायक दल के नेता चुने जाने पर उमर अब्दुल्ला ने कहा, ₹आज नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायक दल की बैठक में मुझे विधायक दल का नेता चुना गया है। मैं विधायकों का आभार व्यक्त करता हूं। कांग्रेस से समर्थन पत्र लेने के लिए बातचीत चल रही है। 4 निर्दलीय विधायकों ने भी नेशनल कॉन्फ्रेंस को अपना समर्थन दिया है। अब एनसी की संख्या 42 + 4 निर्दलीय विधायक हैं। कांग्रेस से पत्र मिलने के बाद हम सरकार बनाने का दावा पेश करने राजभवन जाएंगे।₹

सरकार गठन के लिए कांग्रेस के साथ जल्द बैठक

फारूक अब्दुल्ला ने घोषणा की कि जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन पर आगे चर्चा करने के लिए शुक्रवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के चुनाव पूर्व गठबंधन सहयोगियों की बैठक होगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और उनके सहयोगियों के पास विधानसभा में पर्याप्त बहुमत है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस को मिला 4 निर्दलीय विधायकों का समर्थन

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 90 सीटों वाली जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 42 सीटें जीतीं, जिससे वह सबसे बड़ी पार्टी बन गई। इसके अलावा, 4 निर्दलीय विधायकों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को अपना समर्थन दिया है, जिससे कुल संख्या 46 हो गई, जो बहुमत के लिए प्रयाप्त है। गठबंधन सहयोगियों कांग्रेस और सीपीआई-एम ने क्रमश: छह और एक सीटें जीतीं।

हार पर चौतरफा घिरे हुड्डा

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने भी मानी भूपेंद्र सिंह ने कांग्रेस को हराने की चली चाल

एजेंसी | चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार का ठिकरा पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर फोड़ा जा रहा है। कांग्रेस के कई कैंडिडेट ये कह चुके हैं कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कारण वे हारे हैं। आज इसको लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर एक मीटिंग भी रखी गई थी, जिसमें राहुल गांधी ने कहा कि नेताओं ने अपने हित को पार्टी से भी ऊपर रखा, जिसके कारण हार हुई है। अब हरियाणा बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने भी साफ कह दिया है कि हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ही कांग्रेस को हराने की चाल चली थी।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने क्या कहा?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोहन लाल बड़ौली ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने खुद कांग्रेस को हरवाया है। आप कांग्रेस के हारे हुए कैंडिडेट से पूछकर देख सकते हैं, वे खुद आपको बता देंगे कि हुड्डा ने ही उन्हें हराया है। ऐसे में हरियाणा की हार पर हुड्डा चौतरफा घिरने लगे हैं। कांग्रेस के भी कई कैंडिडेट खुद ये आरोप लगा चुके हैं कि कांग्रेस को हरियाणा में हुड्डा ने ही हराया है। मोहन लाल से जब हरियाणा के सीएम बनने को लेकर पूछा गया, इस पर उन्होंने कहा कि यह हमारा राष्ट्रीय नेतृत्व तय करेगा। इस पर जल्द ही फैसला लिया जाएगा।

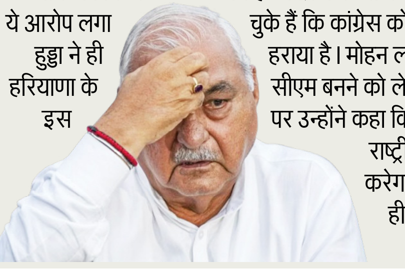

इस दिन हो सकता है सरकार का गठन

हरियाणा में बीजेपी सरकार गठन की कवायद शुरू कर चुकी है। चुनाव जीतते ही हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। सीएम सैनी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मिले थे। अब बीजेपी के सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि बीजेपी 15 अक्टूबर को नई सरकार का गठन कर सकती है। सरकार गठन करने से एक दिन पहले बीजेपी विधायक दल की बैठक करेगी। नायब सिंह सैनी और बीजेपी के तमाम नेताओं के हावभाव से यह प्रतीत हो रहा है कि फिर से नायब सिंह ही हरियाणा के सीएम बनेंगे।

त्योहार पर स्पेशल वंदेभारत और तेजस चलाने की घोषणा

राहत: ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने की कवायद

एजेंसी | नई दिल्ली

त्योहारों के अवसर पर ज्यादा यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए उत्तर रेलवे ने तेज रफ्तार रेलगाड़ियां चलाने की घोषणा की है। बिहार के लिए वंदेभारत और तेजस जैसी स्पेशल गाड़ियों को चलाया जाएगा। दोनों दिशाओं में ये कुल 16 फेरे लगाएंगीं। उत्तर रेलवे के मुख्य प्रवक्ता हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार, गाड़ी संख्या 02248/02247 तेजस सुपरफास्ट एक्सप्रेस का परिचालन नई दिल्ली से पटना जंक्शन के बीच किया जाएगा। गाड़ी संख्या 02248 नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से 29, 21 अक्तूबर 2 और 5 नवंबर को पटना के लिए चलेगी। गाड़ी संख्या 02247 पटना जंक्शन से 30 अक्तूबर, 1, 3 और 6 नवंबर को चलेगी। इसमें चेयर कार एवं एग्जीक्यूटिव चेयर कार सीट उपलब्ध होंगी। दोनों दिशाओं में यह गाड़ी कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा जंक्शन पर रुकेगी।

नई दिल्ली से पटना के बीच एक वंदेभारत एक्सप्रेस का भी परिचालन

यात्रियों के लिए नई दिल्ली से पटना के बीच एक वंदेभारत एक्सप्रेस का भी परिचालन त्योहार स्पेशल के रूप में किया जाएगा। गाड़ी संख्या 02252/02251 नई दिल्ली-पटना जंक्शन-नई दिल्ली के बीच कुल आठ फेरे लगाएगी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से गाड़ी संख्या 02252 आगामी 30 अक्तूबर, 1,3 और 6 नवंबर को पटना के लिए रवाना होगी। वहीं, गाड़ी संख्या 02251 पटना जंक्शन से 31 अक्तूबर, 2, 4 और 7 नवंबर को नई दिल्ली के लिए रवाना होगी। दोनों दिशाओं में यह सफर 11.30 घंटे के भीतर पूरा किया जाएगा।

भारत सरकार ने एचयूटी को घोषित किया आतंकी संगठन

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत सरकार ने वैश्विक इस्लामी कट्टरपंथी समूह हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। गृह मंत्रालय ने कहा कि हिज्ब-उत-तहरीर का लक्ष्य लोकतांत्रिक सरकार को जिहाद के माध्यम से हटाकर भारत सहित विश्वस्तर पर इस्लामी देश और खिलाफत स्थापित करना है। मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि हिज्ब-उत-तहरीर भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

क्या है हिज्ब-उत-तहरीर (HuT)?

हिज्ब-उत-तहरीर एक कट्टरपंथी इस्लामिक संगठन है, जिसकी स्थापना 1953 में यरुशलम में हुई थी। इसका मकसद वैश्विक इस्लामी खलीफा (इस्लामिक स्टेट) की स्थापना करना है, जो उनके विचार में मुस्लिम दुनिया पर शरिया कानून लागू करेगा। संगठन का मुख्यालय मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय है।

भारत में हिज्ब-उत-तहरीर की गतिविधियां

भारत में हाल के वर्षों में हिज्ब-उत-तहरीर की गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ी है। मोदी सरकार ने इस संगठन को एक ₹खतरा₹ मानते हुए इसे बैन किया है। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि हिज्ब-उत-तहरीर भारत में इस्लामिक स्टेट की स्थापना की दिशा में काम कर रहा है।

हिज्ब-उत-तहरीर की विचारधारा

इस संगठन की विचारधारा इस्लामिक कट्टरता पर आधारित है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को अस्वीकार करता है और एक एकीकृत इस्लामिक राज्य की स्थापना पर जोर देता है।

राजनाथ सिंह ₹2236 करोड़ के इंफ्रा प्रोजेक्ट का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी | नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 11-12 अक्टूबर को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कुपुप-शेराथांग रोड का उद्घाटन करेंगे। वे पश्चिम बंगाल, नागालैंड सहित 11 राज्यों के 74 इंफ्रा प्रोजेक्ट्स का भी वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इनमें 22 सड़कें और 51 पुल हैं। इस दौरान रक्षा मंत्री सिक्किम के दौरे पर रहेंगे। ये निर्माण सीमा सड़क संगठन (BRO) ने किया है। चीन सीमा और अन्य दूरदराज इलाकों में बने इन प्रोजेक्ट्स की लागत करीब 2236 करोड़ रुपए है। इससे लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की आवाजाही, राशन, ऑर्टिलरी जैसी चीजें पहुंचाने में आसानी होगी।

पुरुषोत्तम एक्सप्रेस में बम की अफवाह

एजेंसी | टूंडला

उत्तर प्रदेश के टूंडला रेलवे स्टेशन पर गुरुवार सुबह पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस को तीन घंटे से ज्यादा समय तक रोका गया। दरअसल, रेलवे अधिकारियों को विस्फोटकों के साथ यात्रा कर रहे कुछ संदिग्ध आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि एक X यूजर से मिली खबर झूठी निकली, क्योंकि रात करीब 2.30 बजे से सुबह 6 बजे तक की गई गहन जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

एक देश एक चुनाव के फैसले के खिलाफ केरल

विधानसभा में प्रस्ताव पास

एजेंसी | तिरुवनंतपुरम

केरल विधानसभा में देश में एक साथ चुनाव कराने के केन्द्र के फैसले के खिलाफ प्रस्ताव पारित हो गया है। गुरुवार को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें केंद्र सरकार से रामनाथ कोविंद पैनल द्वारा सुझाए गए 'एक देश, एक चुनाव' के प्रस्ताव को मंजूरी देने के अपने फैसले को वापस लेने की अपील की गई है। इस दौरान केरल विधानसभा में यह भी कहा गया कि यह कदम अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की ओर से राज्य के संसदीय कार्य मंत्री एमबी राजेश ने प्रस्ताव पेश किया जिन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव देश की संघीय व्यवस्था को कमजोर करेगा और भारत के संसदीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाएगा।

यह कदम असंवैधानिक है: एमबी राजेश

एमबी राजेश ने कहा, ₹यह कदम असंवैधानिक है और संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है। साथ ही यह आरएसएस और बीजेपी के एजेंडे को लागू करने का प्रयास है।₹ मंत्री ने प्रस्ताव में यूडीएफ विधायकों द्वारा सुझाए गए कुछ संशोधनों को भी स्वीकार किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि इससे देश में विभिन्न राज्य विधानसभाओं और स्थानीय स्तर पर सरकार का कार्यकाल भी कम हो जाएगा। इससे पहले उच्च स्तरीय समिति ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी इसके बाद 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की सिफारिश की गई थी।

'यह फैसला जनादेश का उल्लंघन'

एमबी राजेश ने आगे कहा कि यह फैसला जनादेश का उल्लंघन है, उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को चुनौती है और चुनाव कराने के लिए राज्य की शक्ति का हनन है। उन्होंने तर्क दिया कि समिति लोकसभा, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों को खर्च के रूप में देख रही है और ऐसा करना अलोकतांत्रिक है। उन्होंने कहा कि यह एक निंदनीय कदम है क्योंकि चुनाव लागत को कम करने और शासन को प्रभावी बनाने के दूसरे सरल तरीके भी हैं।

असम में दो महीने में अरेस्ट किए गए 128 बांग्लादेशी

एजेंसी | सिल्चर

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया है कि असम पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ मिलकर पिछले दो महीनों में असम में कम-से-कम 128 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है और उन्हें उनके देश वापस भेज दिया गया है। सरमा ने बुधवार को एक्स पर लिखा, ₹पिछले 2 महीनों में 128 बांग्लादेशियों को वापस भेजा गया। भारत-बांग्लादेश सीमा पर कड़ी निगरानी रखते हुए, असम पुलिस ने 128 घुसपैठियों को सीमा पार वापस भेजा है। सरमा के अनुसार, बाबुल हुसैन और साकिब मिया के रूप में

पहचाने गए बांग्लादेशी घुसपैठियों को बुधवार तड़के गिरफ्तार किया गया और उन्हें तुरंत वापस भेज दिया गया। मुख्यमंत्री 5 अगस्त से बांग्लादेशी घुसपैठियों की गिरफ्तारी के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विस्तृत जानकारी साझा कर रहे थे। उनके अनुसार, इनमें से कई लोगों के पास आधार कार्ड सहित भारतीय दस्तावेज थे। जानकारी के अनुसार, सितंबर में ही असम में 60 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। 27 सितंबर को, 8 नाबालिगों सहित कम से कम 17 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया और यह पिछले दो महीनों में अवैध विदेशियों की एक दिन की सबसे अधिक हिरासत थी। एक अक्टूबर को, असम पुलिस ने दक्षिण सलमारा और करीमगंज में दो अलग-अलग अभियान चलाए और 14 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया और उनमें से 9 के पास भारतीय आधार कार्ड पाए गए। मुख्यमंत्री के अनुसार, गिरफ्तार किए गए अवैध प्रवासियों में से कोई भी हिंदू नहीं था।

खबर संक्षेप

महानवमी पर सार्वजनिक अवकाश घोषित

लखनऊ। महानवमी के अवसर पर शुक्रवार को प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। हालांकि, इस दौरान आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी ने आदेश जारी कर दिए हैं। इसके पहले प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में अवकाश घोषित करने की सूचना शिक्षा निदेशालय ने जारी की थी। इस पर जानकारी देते हुए प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने एक्स पर कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और उनकी प्रेरणा से प्रदेश में आधी आबादी को सशक्त करने के समेकित प्रयास हो रहे हैं।

दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बची इस्लामपुर हटिया एक्सप्रेस

गया: गाड़ी संख्या 18623 इस्लामपुर-हटिया एक्सप्रेस ट्रेन पटना-गया रेलखंड स्थित बेलागंज-नेयामतपुर रेलवे स्टेशन के बीच पल संख्या 75/05 के पास दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गयी। हालांकि, रेलवे लाइन पर रखी स्लीपर से ट्रेन का इंजन टकरा गयी।लेकिन, हताहत होने की सूचना नहीं है। इस संबंध में जहानाबाद रेल थाना अध्यक्ष दीप नारायण यादव ने बताया कि बुधवार की देर रात करीब 12:16 पर यह घटना घटी है। उन्होंने बताया कि अज्ञात लोगों द्वारा रेल पटरी में बिछाये गये सीमेंट ब्लॉक्स स्लीपर को उठाकर रेल लाइन पर रख दिया गया था। लेकिन, ड्राइवर ने उसे देख लिया और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका।लेकिन,ट्रेन रुकते-रुकते इंजन स्लीपर में जा टकरायी। इस दौरान रेल यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया।

पत्नी को जबरन डिस्चार्ज कराने गए युवक की पिटाई

धनबाद। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के गायनी विभाग में इलाजरत पत्नी को जबरन डिस्चार्ज कराने के मामले को लेकर बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। तेलीपाड़ा पाल नगर निवासी मलय पासवान अस्पताल पहुंचकर अपनी पत्नी अंजली देवी को जबरन डिस्चार्ज कराने का दबाव बनाने लगा। दो दिन पहले ही अंजली देवी ने यहां बच्ची को जन्म दिया है। अंजली ने मलय के साथ जाने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और गायनी विभाग में हो-हल्ला होने लगा। इसी बीच अंजली का भाई यश कुमार सिंह अपने दोस्त के साथ पहुंचा। फिर उन दोनों के बीच भी झगड़ा शुरू हो गया। यश ने अपने दोस्त के साथ मिलकर अपने बहनोई मलय की पिटाई कर दी। इस घटना में मलय के सिर में चोट आयी है।

विधायक से मारपीट पर भाजपा सख्त

अर्बन बैंक की पूर्व अध्यक्ष समेत चार को जारी किया नोटिस

एजेंसी । लखीमपुर खीरी

यूपी के लखीमपुर खीरी जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक योगेश वर्मा के साथ मारपीट के मामले में भाजपा ने सख्ती दिखाई है। भाजपा ने नगरीय सहकारी बैंक (यूसीबी) की पूर्व अध्यक्ष, उनके पति और पार्टी के स्थानीय पदाधिकारी समेत चार लोगों को पार्टी ने 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया है। भाजपा के प्रान्तीय महासचिव गोविंद नारायण शुक्ला ने विधायक से मारपीट के मुख्य आरोपी जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश सिंह, उनकी पत्नी और नगरीय सहकारी बैंक की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव तथा भाजपा कार्यकर्ता ज्योति शुक्ला को बृहस्पतिवार को 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया। यूसीबी के प्रबंध बोर्ड सदस्यों के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के दौरान बुधवार को लखीमपुर के भाजपा विधायक योगेश वर्मा के साथ अवधेश सिंह द्वारा की गई मारपीट के बाद की यह कार्रवाई की गई। चुनाव की नामांकन प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था की गंभीर समस्याओं को देखते हुए बुधवार को यह चुनाव स्थगित कर दिए गए थे। भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील सिंह ने बुधवार को पार्टी की प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों को इसकी जानकारी दी और अपनी रिपोर्ट भेजी। भाजपा के प्रदेश महासचिव गोविंद नारायण शुक्ला ने नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। नोटिस के मुताबिक, अगर समय रहते स्पष्टीकरण नहीं दिया गया तो चारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील सिंह ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से नोटिस जारी करने की पुष्टि की और प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार कार्रवाई करने की बात कही।

क्या है पूरा मामला ?

लखीमपुर में अर्बन कोऑपरेटिव बैंक में संचालक मंडल के लिए बुधवार से नामांकन की शुरुआत हुई। सदर विधायक योगेश वर्मा दिन पहले से इस चुनाव में धांधली कराए जाने का आरोप लगा रहे थे। एक दिन पहले सदस्यों की अन्तिम मतदाता सूची बैंक के सूचना पट पर चस्पा की गई। सूची चस्पा होते ही सूची फाड़ने की शिकायत पर सदर विधायक योगेश वर्मा बैंक पहुंच गए। उन्होंने सूची फाड़ने पर नाराजगी जताते हुए चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। इसी दौरान उम्मीदवार पुष्पा सिंह के पति और बार अध्यक्ष अवधेश सिंह और सदर विधायक योगेश वर्मा का गुट आमने-सामने आ गया। अवधेश सिंह ने सदर विधायक योगेश वर्मा पर बहस के बीच हाथ उठा दिया था। उन्होंने विधायक को थप्पड़ मारा इसके बाद दोनों गुटों में मारपीट शुरू हो गई थी। अवधेश सिंह के गुट के लोगों ने सदर विधायक की पिटाई कर दी। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

चिराग के बाद मांझी ने बीजेपी को दिया झटका

झारखंड की 10 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान

एजेंसी । रांची

झारखंड में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है। बीजेपी के सहयोगी लगातार अपने लिए सीट की मांग कर रहे हैं। हालांकि बीजेपी ने पहले ही अपने सहयोगियों को साफ-साफ कह दिया है कि पार्टी झारखंड में जदयू और आजसू के अलावा किसी और के साथ गठबंधन नहीं करेगी। इसके बावजूद बिहार के सहयोगी दल भाजपा के साथ गठबंधन न होने की स्थिती में अपने दम पर चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (र) के अध्यक्ष चिराग न सिर्फ अपनी पार्टी के लिए झारखंड में प्रचार कर रहे हैं बल्कि वो तो चुनाव लड़ने का भी ऐलान कर चुके हैं।

BJP को झटका देंगे मांझी!

गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि अभी हम हाल में ही चतरा में बैठक किए हैं और वहां पर हमने घोषणा किया है कि 10 सीट पर हम लड़ने का प्रयास करेंगे। चूंकी हम एनडीए में है इसलिए चर्चा चल रही है जो सीट हमें मिलेगी उस सीट पर लड़ेंगे। अगर हमें सीट नहीं मिलेगी फिर भी हम चुनाव जरूर लड़ेंगे। बता दें कि बीजेपी ने पहले ही अपने सहयोगियों को साफ-साफ कह दिया है कि पार्टी झारखंड में जदयू और आजसू के अलावा किसी और के साथ गठबंधन नहीं करेगी। ऐसे में यह कयास लगाया जा रहा है कि क्या हम झारखंड में चुनाव लड़ने के लिए बीजेपी को झटका देने की तैयारी में है।

रतन टाटा के निधन से पूरा देश दुखी

उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि रतन टाटा जी का निधन हुआ है उससे हम लोग दुखी हैं। हम क्या समूचे हिंदुस्तान के लोग दुखी हैं। हिंदुस्तान के अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में रतन टाटा का बहुत बड़ा योगदान रहा है, ऐसे उद्यमी के जाने से हम लोगों को धक्का जरूर लगा है। हम भगवान से प्रार्थना करते हैं उनकी आत्मा जहां भी रहे उसे शांति मिले।

अपनी ही एक माह की बच्ची की दे दी बलि

तांत्रिक के बहकावे में आ गए थे पति-पत्नी

एजेंसी । मुजफ्फरनगर

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बीमारियों के इलाज के लिए एक तांत्रिक की सलाह पर दंपति ने अपनी ही बच्ची की बलि दे दी। मामले की जानकारी होने पर पुलिस प्रशासन में भी खलबली मच गई। पुलिस ने पति-पत्नी दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण क्षेत्र) आदित्य बंसल ने गुरुवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि गोपाल कश्यप और उसकी पत्नी ममता को बुधवार रात भोपा थाना क्षेत्र के बेलदा गांव में अपनी ही बच्ची की हत्या के मामले में हिरासत में लिया गया था। पूछताछ के दौरान दोनों ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए अपनी बच्ची की हत्या का जुर्म कुबूल कर लिया।

विवेक यादव हत्याकांड: नाराज लोगों ने किया चक्का जाम

पुलिस पर पथराव, जान बचाकर भागे अधिकारी

एजेंसी । जौनपुर

जौनपुर जिले के मंगरमु गांव में विवेक यादव की हत्या के बाद स्वजन बुधवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव घर ले आए। गुरुवार सुबह से ही निगोह बाजार के तिराहे पर शव लेकर सैकड़ों की संख्या में पहुंचे और चक्का जाम कर दिया। सूचना पर पहुंचे सीओ मड़ियाहूं विवेक सिंह, एसडीएम कुणाल गौरव ने सड़क से लोगों को हटाने का काफी प्रयास किया, लेकिन असफल रहे। एसपी शैलेन्द्र सिंह मौके पर पहुंचे तो उग्र परिवार के लोग व ग्रामीणों ने नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस और ग्रामीणों के बीच कहासुनी के साथ ही तीखी बहस होने लगी। बाद में पुलिस जबरन शव को स्वजनों के साथ थाने ले आई तो ग्रामीण उग्र हो गए और पुलिस पर पथराव करने लगे। सैकड़ों लोग पुलिस पर पत्थर मारने लगे। इस दौरान पुलिस टीम ने पैदल और गाड़ी से किसी तरह भागकर जान बचाई। बाद में भीड़ पर लाठीचार्ज करते हुए पुलिस ने लोगों को हटाया। एसपी ग्रामीण शैलेंद्र सिंह और सीओ मड़ियाहूं विवेक सिंह ने भी किसी तरह भागकर जान बचाई। उधर पथराव में लेखपाल प्रमोद श्रीवास्तव को चोट भी लगी।

पत्नी को जबरन डिस्चार्ज कराने गए युवक की पिटाई

एजेंसी । धनबाद

शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के गायनी विभाग में इलाजरत पत्नी को जबरन डिस्चार्ज कराने के मामले को लेकर बुधवार को जमकर हंगामा हुआ।तेलीपाड़ा पाल नगर निवासी मलय पासवान अस्पताल पहुंचकर अपनी पत्नी अंजली देवी को जबरन डिस्चार्ज कराने का दबाव बनाने लगा।दो दिन पहले ही अंजली देवी ने यहां बच्ची को जन्म दिया है।अंजली ने मलय के साथ जाने से इनकार कर दिया।इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और गायनी विभाग में हो-हल्ला होने लगा।इसी बीच अंजली का भाई यश कुमार सिंह अपने दोस्त के साथ पहुंचा।फिर उन दोनों के बीच भी झगड़ा शुरू हो गया।यश ने अपने दोस्त के साथ मिलकर अपने बहनोई मलय की पिटाई कर दी।इस घटना में मलय के सिर में चोट आयी है।यहां इमरजेंसी में उसका इलाज कराया गया।मलय ने अपने साला यश और उसके दोस्त के खिलाफ सरायढेला थाना में मारपीट करने की शिकायत दर्ज करायी है।

मां ने दी बेटी की हत्या की सुपारी...दांव पड़ गया उल्टा

एजेंसी । एटा

शादी का ऑफर मिलते ही कातिल के बदल गए इरादे

एटा के थाना जसरथपुर क्षेत्र में 6 अक्तूबर की सुबह एक अज्ञात महिला का शव बाजरे के खेत में पड़ा हुआ था। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। शव की पहचान अलका देवी के रूप में उसके पति रमाकांत ने कर ली। रमाकांत ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। बृहस्पतिवार को पुलिस ने एक आरोपी और बालिका अपचारी को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अलका ने अपनी नाबालिग पुत्री की हत्या की सुपारी सुभाष निवासी अकराबाद सिकंदरपुर खास थाना कायमगंज जिला फर्रुखाबाद को दी। सुभाष के अलका की पुत्री के साथ संबंध थे, जिसके चलते उसने सारी जानकारी उसको दे दी।

JLKM चीफ जयराम महतो ने की 14 सीटों से उम्मीदवारों की घोषणा

एजेंसी । रांची

जेएलकेएम सुप्रिमो जयराम महतो ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 14 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। जयराम महतो ने प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। इस लिस्ट में मांडर सीट से गुना भगत, टुंडी सीट से मोतीलाल महतो, धनवार से रजदेश रतन को मैदान में उतारा है। जयराम ने इससे पहले 6 और उम्मीदवारों की घोषणा की है।

हजारीबाग और कोडरमा जिलों के उतारे उम्मीदवार

जयराम महतो ने घोषणा करते हुए कहा कि कोडरमा सीट से मनोज यादव, बरही सीट से कृष्णा यादव, बरकट्ठा से महेंद्र मंडल, हजारीबाग सीट से उदय मेहता, डालटनगंज से अनिकेत मेहता, गोड्डा से परिमल ठाकुर, गांडेय से अकील अख्तर, धनबाद से सपन कुमार मोदक, खरसावां से पांडु राम हिब्रू, सिंदरी से उषा देवी और बोकारो से सरोज कुमारी हमारी पार्टी के उम्मीदवार होंगे। इससे पहले 3 अक्टूबर को जयराम ने घोषणा करते हुए कहा था कि वह डुमरी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। जयराम ने इस दौरान 5 और उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इसमें उन्होंने जमुआ विधानसभा से रोहित दास, राजमहल से मोती लाल सरकार, तमाड़ से दमयंती मुण्डा, सरायकेला से प्रेम मार्डी, छतरपुर से प्रीति राज के मैदान में उतारा है।

शराब बेचने के मामले में पति-पत्नी समेत तीन पियक्कड़ गिरफ्तार

एजेंसी । भभुआ सदर

कैमूर के सदर थाने की पुलिस ने पलका गांव से सात लीटर देसी शराब, शराब बनाने के उपकरण के साथ धंधेबाज पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। धराये पति-पत्नी पलका गांव निवासी दिलीप गोड़ व उसकी पत्नी चिंता देवी बताये जाते हैं। प्रभारी थानाध्यक्ष विकास कुमार के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त दंपती घर में ही देसी शराब का निर्माण कर बेचने का धंधा करते हैं।

TCS को दूसरी तिमाही में ₹11,909 करोड़ का मुनाफा

सालाना आधार पर यह 5% बढ़ा, 10 रुपए प्रति शेयर लाभांश भी देगी कंपनी

एजेंसी । मुंबई

भारत की सबसे वैल्यूएबल IT कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (TCS) ने आज यानी 10 अक्टूबर को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (Q2FY25) के नतीजे जारी कर दिए हैं। जुलाई-सितंबर तिमाही में TCS का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर करीब 5% बढ़कर 11,909 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 11,342 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था। वहीं, Q2FY25 में सालाना आधार पर कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू 8% बढ़कर 64,259 करोड़ रुपए हो गया है।

जियो पॉलिटिकल सिचुएशन के बीच BFSI ने रिकवरी के संकेत दिखाया

TCS के CEO और MD के कृतिवासन ने कहा - जियो पॉलिटिकल सिचुएशन के बीच हमारे सबसे बड़े वर्टिकल BFSI ने रिकवरी के संकेत दिखाए हैं। हमने अपने ग्रोथ मार्केट्स में भी मजबूत परफॉर्मेंस देखा है। हम अपने कस्टमर्स, एम्प्लॉईज और अन्य स्टेकहोल्डर्स के लिए अपने वैल्यू प्रोपोजिशन को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। BFSI का मतलब बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस है।

10 रुपए प्रति शेयर लाभांश देगी कंपनी

नतीजों के साथ TCS ने अपने शेयर होल्डर्स के लिए प्रति शेयर 10 रुपए लाभांश का भी ऐलान किया है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे लाभांश या डिविडेंड कहते हैं।

इस साल अब तक 10.94% चढ़ा TCS का शेयर

TCS का शेयर 0.59% की गिरावट के साथ 4,227.90 के स्तर पर बंद हुआ। पिछले 1 महीने में शेयर ने 6.21% का निगेटिव रिटर्न दिया है।

सेंसेक्स 144 अंक की तेजी के साथ 81,611 पर बंद

एजेंसी । मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 144 अंक चढ़ गया। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच बैंक, बिजली और औद्योगिक शेयरों में लिवाली से बाजार में मजबूती आई। सेंसेक्स 144.31 अंक बढ़कर 81,611.41 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 535.74 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 16.50 अंक की बढ़त के साथ 24,998.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 152.1 अंक तक चढ़ गया था।

टाटा समूह की कंपनियों के शेयरों में 15 प्रतिशत की तेजी

- निफ्टी भी 16 अंक चढ़ा
- फार्मा सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.01% की गिरावट रही

टाटा समूह की कंपनियों के शेयरों में 15 प्रतिशत की तेजी रही। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन, टाटा केमिकल्स और टाटा टेलीसर्विसेज प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कम्पोजिट और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त में रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, मारुति, सुजुकी इंडिया, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में टेक महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल्स, इन्फोसिस, टाइटन, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टुब्रो और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज शामिल हैं।

केंद्र ने राज्यों को 1,78,173 करोड़ रुपए का कर हस्तांतरण किया जारी

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को राज्यों को 1,78,173 करोड़ रुपए का कर राजस्व हस्तांरित किया है। राज्यों को जारी की गई इस राशि में अक्टूबर में देय नियमित किस्त के अलावा 89,086.50 करोड़ रुपए की अग्रिम किस्त भी जारी की गई है। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि आगामी त्योहारी सीजन के मद्देनजर सरकार ने राज्य सरकारों को 1,78,173 करोड़ रुपए का कर राजस्व हस्तांतरण जारी किया है। इस राशि में अक्टूबर माह की सामान्य नियमित किस्त 89,086.50 करोड़ रुपए के अलावा अग्रिम किस्त भी शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि राज्यों को यह अग्रिम किस्त पूंजीगत व्यय में तेजी लाने और उनके विकास और कल्याण संबंधी व्यय को वित्तपोषित करने में सक्षम बनाने के लिए जारी की गई है।

चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर सख्ती, सेबी ने ठोका जुर्माना

एजेंसी । नई दिल्ली

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने ब्रोकरेज फर्म चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने के आरोप में 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी के आदेश के मुताबिक चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग ने एक्सचेंज को ऑथराइज्ड पर्सन (एपी) से जुड़े क्लाइंट्स की सही जानकारी नहीं दी। बताया गया है कि ब्रोकरेज के ऑथराइज्ड पर्सन और क्लाइंट के बीच तीन मामलों में एपी सर्विसेज के लिए फंड की लेनदेन हुई। इस दौरान एपी टर्मिनल्स का इस्तेमाल अनऑथराइज्ड लोगों द्वारा किया गया। सेबी के आदेश में जांच के परिणामों की जानकारी देते हुए बताया गया है कि ब्रोकरेज फर्म के ऑथराइज्ड पर्सन्स में से एक ने एक्सचेंज को 226 क्लाइंट्स की जानकारी नहीं दी, जबकि दूसरे ने 118 क्लाइंट्स की और तीसरे ने 7 क्लाइंट्स की जानकारी एक्सचेंज को उपलब्ध नहीं कराई। सेबी की जांच में इस बात का भी पता चला कि ब्रोकरेज फर्म के ऑथराइज्ड पर्सन्स में से एक ग्रो कैपिटल फाइनेंस सर्विसेज अपने क्लाइंट को फंड ट्रांसफर कर रहा था। हालांकि ब्रोकरेज फर्म की ओर से सफाई दी गई कि फंड ट्रांसफर का ये काम ऑथराइज्ड पर्सन ने पर्सनल कैपेसिटी में क्लाइंट के साथ किया था, जिसके लिए ब्रोकरेज फर्म को जिम्मेदार नहीं माना जाना चाहिए।

देश के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में टॉप पर मुकेश अंबानी, अडाणी दूसरे स्थान पर

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के सबसे अमीर उद्योगपतियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी लगातार पहले पायदान पर बने हुए हैं। फोर्ब्स द्वारा जारी देश के 100 सबसे धनी उद्योगपतियों की सूची में दूसरे स्थान पर अडाणी ग्रुप के प्रमुख गौतम अडाणी का नाम है। फोर्ब्स की इस सूची की जो सबसे अहम बात है, वो ये कि देश के सौ सबसे धनी लोगों की संपत्ति पहली बार कुल मिलाकर एक ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर गई है। फोर्ब्स की सूची के अनुसार मुकेश अंबानी कमाई के मामले में दुनिया के दूसरे सबसे लाभ बड़े लाभार्थी बने हैं, जिनकी संपत्ति पिछले 1 साल में 27.5 बिलियन डॉलर बढ़कर 119.5 बिलियन डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। हालांकि शेयर बाजार में आए उतार-चढ़ाव की वजह से उनका मौजूदा नेटवर्थ 108.3 बिलियन डॉलर का है। फोर्ब्स का दावा है कि इस नेटवर्थ के साथ मुकेश अंबानी फिलहाल दुनिया के 13 सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। हालांकि एक अन्य एजेंसी ब्लूमबर्ग के बिलियनरीज इंडेक्स ने मुकेश अंबानी को दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में 14वें स्थान पर रखा है।

भारत ब्रांड दाल, आटा और चावल की बिक्री फिर होगी शुरू

एजेंसी । नई दिल्ली

त्योहारी मौसम में बढ़ती खाद्य महंगाई से सरकार आम लोगों को राहत दे सकती है। इसके लिए भारत ब्रांड के तहत दाल, चावल और आटा की बिक्री फिर से शुरू करने की तैयारी है। इसकी शुरुआत इसी महीने से हो सकती है। गौरतलब है कि महंगाई की मार से आम जनता को बचाने के लिए सरकार ने बाजार भाव से कम कीमत पर आटा, दाल और चावल बेचना शुरू किया था। सबसे पहले पिछले साल नवंबर से भारत आटा बाजार में उतारा गया था। इसके बाद इसी साल दाल और चावल की बिक्री भी शुरू की गई। सरकार पहले सिर्फ केंद्रीय भंडार और मोबाइल वैन के माध्यम से 'भारत आटा और 'भारत चावल की बिक्री कर रही थी, बाद में इसे कई अन्य सरकारी और प्राइवेट किराना स्टोर पर उपलब्ध कराया गया। भारत ब्रांड के सामान के लोगों ने हाथों हाथ लिया था लेकिन जून में चावल और आटे की बिक्री बंद कर दी गई। फिलहाल कुछ दालों की ही बिक्री की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस बात इनकी दरों को बढ़ाने का प्रस्ताव है। इस बार आटा का 10 किलो का बैग 275 रुपए से 300 रुपये और चावल का 10 किलो का बैग 295 रुपए से 320 रुपए के बीच मिल सकता है। वहीं, चना दाल 60 रुपए से 70 रुपए किलो बेचे जाने की बात कही जा रही है।

टेनिस कोर्ट पर अब नहीं दिखेगा 'लाल बजरी' के बादशाह का जलवा

22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्पेन के दिग्गज खिलाड़ी डेविस कप फाइनल्स के बाद खेल को अलविदा कह देंगे, 14 फ्रेंच ओपन खिताब अपने करियर में जीते, पहला 2005 में और आखिरी 2022 में

04 बार यूएस ओपन में चैंपियन बने, पहली बार 2010 में और 2019 में आखिरी बार

02 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता, 2009 और 2022 में

02 बार विम्बलडन ओपन में ताज पर कब्जा किया, 2008 और फिर 2010 में

एजेंसी | मैड्रिड

इस पीढ़ी के टेनिस प्रशंसक उन खुशकिस्मत खेलप्रेमियों में शामिल हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में राफेल नडाल को कोर्ट पर खेलते देखा, चाहे टीवी पर या स्टेडियम में। ऐसा इसलिए क्योंकि 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल ने अगले महीने होने वाले डेविस कप फाइनल्स के बाद टेनिस को अलविदा कहने का फैसला किया है।

हकीकत यह है कि पिछले कुछ साल काफी कठिन रहे, खासकर पिछले दो साल। मुझे नहीं लगता कि मैं खुलकर खेल सका। यह कठिन फैसला था जिसे लेने में मुझे कुछ समय लगा। लेकिन जीवन में हर चीज की एक शुरूआत और एक अंत होता है। मुझे लगता है कि यह उस करियर पर विराम लगाने का सही समय है जो इतना लंबा रहा और मैंने जितना सोचा था, उससे ज्यादा सफल भी। –राफेल नडाल, टेनिस खिलाड़ी, स्पेन

सोशल मीडिया पर घोषणा

स्पेन के 38 वर्ष के राफा ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर यह घोषणा की। उन्होंने संकेत दिया कि यह फैसला लगातार चोटों के कारण लिया है। डेविस कप फाइनल्स स्पेन के मालागा में 19 नवंबर से खेला जाएगा। नडाल पेरिस ओलंपिक के बाद से नहीं खेले हैं जिसमें वह एकल वर्ग में नोवाक जोकोविच से हार गए थे। वह युगल वर्ग में कार्लोस अल्काराज के साथ क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे।

सपना सच होने जैसा

नडाल ने कहा कि डेविस कप के जरिये विदा लेने को लेकर वह काफी रोमांचित हैं। नडाल ने कहा, मैंने जो कुछ भी अनुभव किया है, वह सपना सच होने जैसा है। मैं इस इत्मीनान के साथ जाऊंगा कि मैंने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया और अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। नडाल ने फेडरर और जोकोविच के खिलाफ खेलते हुए तस्वीरों के बीच कहा, मैं समूचे टेनिस जगत और खेल से जुड़े हर व्यक्ति खासकर अपने पुराने प्रतिद्वंद्वियों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैंने उनके साथ काफी समय बिताया है और यादगार पल जिया है।

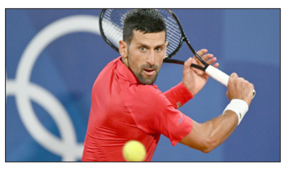

अब सिर्फ नोवाक बचे

टेनिस के 'बिग थ्री में शुमार 22 ग्रैंड स्लैम विजेता राफा से ज्यादा खिताब पुरुष वर्ग में नोवाक जोकोविच (24) ने जीते हैं जबकि रोजर फेडरर 20 बार विजेता रहे हैं। फेडरर ने 2022 सत्र के आखिर में 41 वर्ष की उम्र में संन्यास का ऐलान किया था। ऐसे में 'बिग थ्री युग के दो स्तंभ के खेल को अलविदा कहने के बाद सिर्फ सर्बिया के 37 वर्षीय नोवाक जोकोविच ही अकेले स्तंभ के रूप में बचे हैं। लाल बजरी पर राफा के वर्चस्व का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रोलां गैरां कोर्ट के प्रवेश द्वार पर उनकी प्रतिमा लगाई गई है जो इसकी गवाह है कि उन्होंने यहां अपने प्रदर्शन की छाप किस कदर छोड़ी है।

पूर्व योजना के साथ नहीं उतरतेः शेफाली

एजेंसी | दुबई

भारतीय बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने कहा है कि वह और उनकी सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना मैदान पर पूर्व निर्धारित योजना के साथ नहीं उतरतीं जिससे उन्हें सफलता हासिल करने में मदद मिली है। इन दोनों ने बुधवार को श्रीलंका पर भारत की 82 रन की शानदार जीत के दौरान 98 रन की साझेदारी की। शेफाली ने मैच के बाद कहा, हमारा संयोजन बहुत अच्छा है। अब हम पहले से तय नहीं रहते। जो भी उस दिन गेंद से बल्ला अच्छी तरह कनेक्ट कर रहा होता है, हम उसे ज्यादा गेंद खेलने देते हैं। अभी वह (मंधाना) स्पिनरों को बहुत अच्छी तरह से हिट कर रही है। इसलिए यह अच्छी बात है। हम दोनों ही जितना हो सके, उतनी अच्छी शुरुआत देने की कोशिश करते हैं। अच्छी पारी बनाना और अच्छा लक्ष्य देने की कोशिश करते हैं। न्यूजीलैंड से मिली हार और पाकिस्तान पर जीत के बाद भारत ने श्रीलंका को हराकर अपना नेट रन रेट बढ़ा दिया जिससे वह ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

रिचर्ड फ्रेंच ओपन के बाद टेनिस को अलविदा कहेंगे

एजेंसी | पेरिस

फ्रांस के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रिचर्ड गास्केट ने गुरुवार को कहा कि वह अगले साल होने वाले फ्रेंच ओपन के बाद संन्यास ले लेंगे। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी को अपने एक हाथ से लगाए गए बैकहैंड के लिए जाना जाता है। वह अभी तक अपने करियर में कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत पाए हैं। वह करियर में 2007 में सर्वश्रेष्ठ सातवीं रैंकिंग पर पहुंचे थे। दो बार विम्बलडन और एक बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। करियर में 14 एटीपी टूर खिताब जीते। वह 2017 में डेविस कप जीतने वाली फ्रांस की टीम का हिस्सा भी थे। उन्होंने कहा, मैं अगले साल फ्रेंच ओपन के बाद खेलना बंद कर दूंगा। मेरा मानना है कि यह मेरे लिए टेनिस से संन्यास लेने का सबसे उपयुक्त समय होगा। संन्यास लेने के लिए यह सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट है। फ्रांस का खिलाड़ी होने के कारण हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें इस अविश्वसनीय टूर्नामेंट में संन्यास लेने का मौका मिलता है।

नीलामी में 1000 से अधिक खिलाड़ियों पर लगेगी बोली

खिलाड़ियों पर एक नजर

- 400 से ज्यादा भारतीय खिलाड़ी होंगे शामिल
- 150 से ज्यादा विदेशी खिलाड़ी भी दौड़ में होंगे
- 250 से ज्यादा भारतीय महिला खिलाड़ी होंगी
- 70 से ज्यादा विदेशी महिलाएं होंगे शामिल

आधार मूल्य की तीन श्रेणियां

- 02 लाख रुपये में 600 से ज्यादा खिलाड़ी
- 05 लाख रुपये में 250 से ज्यादा खिलाड़ी
- 10 लाख रुपये में 250 से ज्यादा खिलाड़ी

एजेंसी | नई दिल्ली

हॉकी इंडिया लीग के लिए रविवार से यहां खिलाड़ियों की नीलामी का बाजार सजने को तैयार है। तीन दिन चलने वाली नीलामी प्रक्रिया में 1000 से अधिक भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। सात साल बाद वापसी कर रही इस लीग में पहली बार पुरुषों के साथ महिलाओं के मुकाबले भी खेले जाएंगे। हॉकी इंडिया ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि पुरुष वर्ग में आठ टीमों के लिए नीलामी 13 और 14 को जबकि महिला लीग के लिए 15 अक्तूबर को नीलामी होगी। इसके जरिये विश्व की सबसे रोमांचक हॉकी स्पर्धाओं में से एक हॉकी इंडिया लीग ही बहाल नहीं हो रही बल्कि भारत में महिला हॉकी को बढावा देने की दिशा में भी यह बड़ा कदम है।

प्रमुख पुरुष खिलाड़ी

पुरुष वर्ग में भारत की ओलंपिक कांस्य विजेता टीम के सदस्य कप्तान हरमनप्रीत सिंह, उपकप्तान हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और मनदीप सिंह के अलावा पूर्व दिग्गज रुपिंदर पाल सिंह, बीरेंद्र लाकड़ा, धरमवीर सिंह ने भी नाम दिए हैं।

महिला खिलाड़ी

महिला वर्ग में अनुभवी गोलकीपर सविता, कप्तान सलीमा टेटे, उदीयमान खिलाड़ी दीपिका, अनुभवी वंदना कटारिया, लालरेम्सियामी के अलावा पूर्व खिलाड़ी योगिता बाली, लिलिमा मिंज, नमिता टोप्पो ने नीलामी के लिए नाम दिए हैं।

भारतीय खिलाड़ी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ : तस्कीन अहमद

एजेंसी | नई दिल्ली

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद का मानना है कि भारतीय खिलाड़ी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। वे किसी भी परिस्थिति में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। पहला मैच सात विकेट और दूसरा 86 रन से हारने के बाद अब बांग्लादेश का सूपड़ा साफ होने के आसार हैं। तस्कीन ने मीडिया से कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे (भारतीय क्रिकेटर) सर्वश्रेष्ठ हैं, न सिर्फ स्वदेश में बल्कि पूरी दुनिया (सभी परिस्थितियों) में। वह हमसे ज्यादा अनुभवी और बेहतर हैं। पावरप्ले में हमने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन अंत में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की और दुर्भाग्य से स्पिनरों का दिन खराब रहा। अमूमन, हमारे इस तरह के खराब दिन नहीं होते हैं मगर टी-20 प्रारूप में किसी भी दिन कुछ भी हो सकता है। दो विकेट लेने वाले तस्कीन ने कहा, सभी जानते हैं कि दिल्ली का मैदान बड़े स्कोर वाला है। यहां औसतन 200 से अधिक रन बनते हैं। लेकिन हमने सीरीज के पहले दोनों मैच में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। दोनों विकेट बल्लेबाजी के अनुकूल थे पर टीम के रूप में हम सर्वश्रेष्ठ क्षमता के मुताबिक नहीं खेल पाए।

वामिका गब्बी के साथ रोमांस फरमाएंगे सिद्धांत

'क्वीन' और 'सुपर 30' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके विकास बहल की अगली फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक बिना शीर्षक वाली इस फिल्म में कथित तौर पर सिद्धांत चतुर्वेदी, वामिका गब्बी और अनुभवी अभिनेत्री जया बच्चन मुख्य भूमिका में होंगी। फिल्म गोवा में सेट है और एक पुराने घर के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक सार्वजनिक गली में बदल जाता है।

टी-सीरीज बैनर के तहत होगा फिल्म का निर्माण

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का निर्माण भूषण कुमार द्वारा अपने टी-सीरीज बैनर के तहत किया जा रहा है। बहल के साथ कुमार का यह पहला सहयोग है, जिन्होंने हाल ही में बॉक्स-ऑफिस हिट 'शैतान' में अजय देवगन को निर्देशित किया था। इस पारिवारिक मनोरंजन फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और वामिका गब्बी के बीच रोमांटिक एंगल देखने को मिलेगा, जबकि जया बच्चन कथित तौर पर गब्बी की मां की भूमिका निभाएंगी।

46 साल बाद आएगा 'त्रिशुल' का सीक्वल

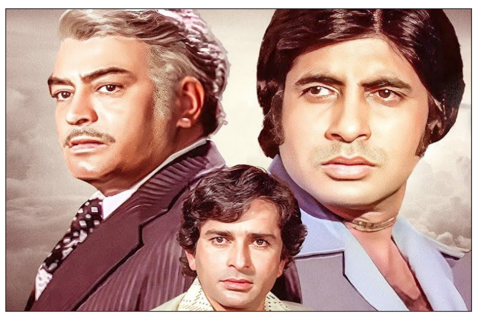

निर्माता आनंद पंडित ने अमिताभ बच्चन अभिनीत 1978 की फिल्म 'त्रिशूल' का सीक्वल बनाने की योजना का खुलासा किया है। यह घोषणा बच्चन के 82वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर की गई। आनंद पंडित, मूल फिल्म और इसके नायक विजय (अमिताभ बच्चन द्वारा अभिनीत) से गहराई से प्रेरित हैं। निर्माता ने खुलासा किया कि उन्होंने 'त्रिशुल' को तकरीबन 60 बार देखा है। आनंद ने नियोजित सीक्वल को अपने सपने की अभिव्यक्ति और दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन को अपना ट्रिब्यूट कहा।

आनंद पंडित ने एक इंटरव्यू में बताया, 'एक ऐसे व्यक्ति की कहानी जो बिना कुछ लिए शहर आता है और निर्माण व्यवसाय में बड़ा नाम कमाता है, इसने मुझे बेहद प्रेरित किया है। त्रिशूल 2 बताएगा कि गुप्ता परिवार में स्वीकार किए जाने के बाद विजय का जीवन कैसे बदल गया। यह जानना दिलचस्प होगा कि क्या वह गीता [राखी का किरदार] के साथ हमेशा खुश रहेंगे, क्या उनका अपना परिवार बढ़ेगा और क्या वह अपने घावों को ठीक कर पाएंगे।'

अगर 'त्रिशुल 2' का निर्माण होता है तो यह पांचवीं बार होगा जब अशोक पंडित और अमिताभ बच्चन एक साथ काम करेंगे। उनके पिछले सहयोगों में 'सरकार 3' (2017), 'चेहरे' (2021), 'फक्त महिलाओ माते' (2022), और 'फक्त पुरुषो माते' शामिल हैं।

विवादों में घिरी आलिया की फिल्म 'जिगरा'

शुक्रवार का आलिया भट्ट और वेदांग रैना की फिल्म जिगरा रिलीज होने वाली है। फिल्म भाई और बहन के रिश्ते पर आधारित एक भावनात्मक रूप से बेहद गहन फिल्म होने वाली है। हालांकि, रिलीज से एक दिन पहले फिल्म विवादों में घिरती नजर आ रही है। अभिनेत्री दिव्या खोसला की पीआर टीम ने एक नोट साझा करते हुए आरोप लगाया कि आलिया ने उनकी फिल्म की स्क्रिप्ट चुराई और वसन बाला तथा धर्मा प्रोडक्शन के साथ मिलकर कुछ बदलाव करते हुए उसे जिगरा के रूप में सामने लाए हैं।

'जिगरा' पर 'सावी' की कहानी चुराने का आरोप

दिव्या खोसला की टीम की तरफ से जारी किए गए नोट में कहा गया है कि असल में 'जिगरा' उनकी फिल्म 'सावी' की चोरी की गई कहानी पर आधारित है। नोट में कहा गया है कि मुकेश भट्ट ने द नेक्स्ट थ्री डेज के अधिकार 4 करोड़ में खरीदे थे। उस समय दोनों भट्ट भाई साथ थे और आलिया को इस बारे में पता था। भट्ट भाइयों के अलग होने के बाद आलिया ने अपने चाचा की परवाह किए बिना स्क्रीनप्ले दूसरे प्रोडक्शन हाउस को दे दिया, जो इस वजह से राइट्स पर खर्च किए गए सारे पैसे खो देंगे।

पति-पत्नी वाले एंगल को भाई-बहन के एंगल से बदलने का आरोप

इसमें आगे कहा गया कि मुकेश भट्ट, दिव्या खोसला को मुख्य भूमिका में लेकर फिल्म बना रहे थे। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें एहसास हुआ कि आलिया ने जेल ब्रेक की कहानी पर आधारित उसी फिल्म की घोषणा की है, जिसमें पति-पत्नी के एंगल को भाई-बहन के एंगल में बदल दिया गया है।

रामलीला में टीम के साथ शामिल होंगे अजय देवगन

अभिनेता अजय देवगन दशहरा के अवसर पर दिल्ली के लाल किले में एक प्रमुख रामलीला में रावण दहन समारोह में भाग लेंगे। अभिनेता ने 12 अक्तूबर यानी शनिवार को राजधानी में अपनी टीम के साथ फिल्म का प्रचार करने का फैसला किया है। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित इस फिल्म के ट्रेलर से यह पता चल गया है कि कहानी रामायण पर आधारित है और इसलिए, यह फिल्म के लिए रामलीला में अपने भव्य प्रचार की शुरुआत करने का एक सही समय लग रहा है।

फिल्म की टीम द्वारा साझा किए गए आधिकारिक नोट के अनुसार, 'अजय और अन्य लोग शनिवार शाम को लव कुश रामलीला में भाग लेंगे और पारंपरिक रूप से रावण के पुतले का दहन करेंगे। नोट में आगे बताया गया है कि अभिनेता और फिल्म की टीम को रामलीला समिति के अध्यक्ष अर्जुन कुमार द्वारा समारोह में भाग लेने और बुराई पर अच्छाई की जीत को चिह्नित करने के लिए आमंत्रित किया गया है।'

कंगना ने भी किया था 'तेजस' का प्रचार

पिछले साल अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपनी फिल्म तेजस के प्रचार के दौरान रामलीला मैदान में यह समारोह किया था। उन्हें यह बड़ा समारोह करने वाली पहली महिला भी माना जाता है। फिल्म में अक्षय कुमार, करीना कपूर खान, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और टाइगर श्रॉफ जैसे स्टार्स हैं जो एक साथ मिलकर इसे एक शानदार अनुभव बनाने की कोशिश करेंगे। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि इनमें से कौन-कौन दिल्ली में दशहरा समारोह में शामिल होंगे।

सत्यमेव जयते
महाराष्ट्र शासन

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, महाराष्ट्र शासन

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

24 महीने 42 फैसले

स्वस्थ महाराष्ट्र का संकल्प

एकनाथ शिंदे
मुख्यमंत्री

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग का विश्व रिकॉर्ड प्रदर्शन!

पालखी मार्ग और पंढरपूर महाआरोग्य शिविरों में 15,12,774 श्रध्दालूओ कों मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई

पंढरपुर महाआरोग्य शिविर लगातार दूसरी बार और परंडा महाआरोग्य शिविर पहली बार, कुल 3 बार 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में हुआ दर्ज।

स्वास्थ्य सेवा का कार्य, सफल जनसेवा!

महिलाएं और बच्चे

1) **'माता सुरक्षित तर घर सुरक्षित'** अभियान के तहत कुल **4,39,24,100** माताओं और बहनों के स्वास्थ्य की जांच की गई, जिसमें **27,97,394** गर्भवती माताएं भी शामिल।

2) **'जागरुक पालक, सुदृढ़ बालक'** अभियान के तहत 0 से 18 वर्ष की आयु के **2,49,54,257** बच्चों के लिए व्यापक स्वास्थ्य जांच और रेफरल सेवाएं उपलब्ध।

3) **मेलघाट** जैसे दूरदराज के क्षेत्रों के लिए **43-खंड** कार्यक्रम का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन।

4) गर्भधारण से पहले की माताओं और दो साल तक के बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए **'वात्सल्य'** नामक विशेष योजना शुरू।

5) माता मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से राज्य के आदिवासी और दूरदराज के क्षेत्रों में **माहेरघर योजना**।

6) राज्य में **कन्या भ्रूण हत्या** को रोकने के लिए पीसीपीएनडीटी कानून के तहत वेबसाइट **http://amchimulgimaha.in** और **104 टोल फ्री हेल्पलाइन** का शुभारंभ।

7) बाल मृत्यु दर को कम करने में महत्त्वपूर्ण सफलता। राज्य की शिशु मृत्यु दर को **प्रति 1,000 जन्मों पर 18 और बाल मृत्यु दर को शून्य पर** लाने के लिए विशेष प्रयास।

मानसिक स्वास्थ्य

8) जालना, भिवंडी, पुणे और नागपुर में नए **मानसिक स्वास्थ्य** और **नशामुक्ति केंद्र**।

9) ठाणे और कोल्हापुर (उदगांव) में नए **क्षेत्रीय मनोरोग अस्पताल**।

कैंसर और इलाज

10) राज्य में **4** स्थानों पर **नई रेडियोथेरेपी** इकाइयों की स्थापना।

11) कैंसर के इलाज के लिए **34** जिलों में **कीमोथेरेपी डे-केयर सेंटर**।

12) **8 मोबाइल कैंसर निदान** सुविधा उपलब्ध।

आस्थापना / रिक्त पदो की भरती

13) राज्य के **चिकित्सा अधिकारियों** के **ऑनलाइन पोर्टल** के माध्यम से **स्थानांतरण**। अधिक पारदर्शिता और सटीकता के लिए निर्णय।

14) स्वास्थ्य सेवा में समूह 'क' एवं 'ड' संवर्ग के **10,949 रिक्त पदों पर पारदर्शी भर्ती**।

15) **चिकित्सा अधिकारियों** की युद्धस्तर पर भर्ती, उचित उम्मीदवारों के लिए **1,446 ऑनलाइन नियुक्ति आदेश**।

* **283 बीएएमएस चिकित्सा अधिकारियों के लिए ऑनलाइन नियुक्ति आदेश।**
* **चिकित्सा अधिकारियों को 7वें वेतन आयोग के अनुसार व्यवसायरोध भत्ता (एनपीए)**

स्वास्थ्य सुविधाएं

16) **हृदय रोगियों** के लिए राज्य में **16** स्थानों पर **कार्डियाक कैथलैब**, **22** स्थानों पर **एमआरआई**, **495** स्थानों पर **डायलिसिस** सुविधाएं।

17) धाराशिव में **'मोबाइल मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल'** शुरू।

18) आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम से सुसज्जित **1,756 एम्बुलेंस** खरीदने का निर्णय।

19) राज्य के मरीजों को किडनी स्टोन रोग के उन्नत उपचार हेतु **लिथोट्रिप्सी** उपचार सेवाएं।

20) मरीज की मृत्यु की स्थिति में अस्पताल से शव ले जाने के लिए **प्रत्येक तहसील में एक शववाहिका**।

21) **234** तहसीलो में ग्रामीण अस्पतालों में **डायलिसिस सेवाएं**।

22) हर जिले में **हीमोफीलिया डे-केयर** सेंटर उपलब्ध।

23) राष्ट्रीय **सिकल सेल** मिशन के तहत **30 लाख से अधिक** नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग।

24) **महामारी के प्रकोप**, मरीजो और मृत्यु **दर में उल्लेखनीय कमी**।

युवा और वरिष्ठ नागरिक

25) **'निरोगी आरोग्य तरुणाईचे, वैभव महाराष्ट्राचे'** अभियान के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के **3 करोड़ से अधिक** पुरुषों की जांच।

26) **मोतिया बिंद मुक्त** महाराष्ट्र मिशन के तहत **1 लाख से अधिक** सर्जरी।

आधारभूत संरचना

27) **पंढरपुर** में नागरिकों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए राज्य का पहला **1,000** बिस्तरों वाला स्थायी रूप से सुसज्जित अस्पताल।

28) **महाराष्ट्र चिकित्सा वस्तू खरीद प्राधिकरण** की स्थापना।

29) पुणे, अहिल्यानगर, नंदुरबार, सिंधुदुर्ग इन चार जिलों में **30** बिस्तरों वाले **आयुष अस्पताल**।

30) राज्य में अब तक **347 'हिन्दूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना'** कार्यान्वित किये गए हैं। कुल 700 'आपला दवाखाना' शुरू किये जायेंगे।

31) **'सुंदर माझा दवाखाना'** अभियान के तहत स्वास्थ्य संस्थानों की सफाई और सौंदर्यीकरण।

32) **राज्य में 15 स्वास्थ्य ढाँचागत संरचनाओं** का माननीय प्रधानमंत्री द्वारा भूमिपूजन एवं लोकार्पण।

महा आरोग्य शिविर

33) **'आरोग्याची वारी पंढरीच्या दारी'** उपक्रम के तहत
वर्ष 2023 - **11 लाख** से अधिक
वर्ष 2024 - **15 लाख** से अधिक
2 वर्षों में 26 लाख से अधिक नागरिकों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच और रेफरल सेवाएं।

34) पंढरपुर का महाआरोग्य शिविर **'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स'** में दर्ज।

35) ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए **परंडा में महाआरोग्य शिविर**।

मुफ़्त इलाज और स्वास्थ देखभाल खर्च

36) **महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना** का स्वास्थ देखभाल खर्च **रु. 1.50 लाख से रु. 5 लाख**।
योजना राज्य के **सभी निवासियों** के लिए लागू।
(राशन कार्ड की शर्त रद्द)

37) राज्य में **5 करोड़** से अधिक लोगों का **आयुष्मान भारत डिजिटल खाता पंजीकरण**।

38) 15 अगस्त 2023 से **सभी नागरिकों को निःशुल्क चिकित्सा उपचार**। पिछले एक वर्ष में बाह्य रोगी लाभार्थियों की संख्या में दोगुनी वृद्धि।

आशा एवं समूह प्रवर्तक/कर्मचारी

39) **आशा स्वयंसेवकों और समूह प्रवर्तकों** को ड्यूटी करते समय आकस्मिक मृत्यु के मामले में **रु. 10 लाख** और स्थायी विकलांगता के मामले में **रु. 5 लाख सानुग्रह अनुदान**।

40) **आशा स्वयंसेवकों के पारिश्रमिक में पर्याप्त वृद्धि**।
मासिक पारिश्रमिक **रु. 5,000/-** की बढ़ोतरी।
अब मिलेंगे **रु. 13,000/-** प्रति माह।

41) **आशा समूह प्रवर्तकों** के पारिश्रमिक में **रु. 4,000/-** की **पर्याप्त वृद्धि**। अब मिलेंगे **रु. 19,975/-** प्रति माह।

42) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्य में कार्यरत संविदा कर्मचारियों में से 10 वर्ष या उससे अधिक सेवा कर चुके **कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवा में स्वीकृत समकक्ष पदों पर समायोजित करने की कैबिनेट की मंजूरी**।

निःशुल्क स्वास्थ्य सलाह पाने के लिए
टोल फ्री नंबर 104 डायल करें

देवेंद्र फडणवीस
उपमुख्यमंत्री

एकनाथ शिंदे
मुख्यमंत्री

अजित पवार
उपमुख्यमंत्री

प्रो. डॉ. तानाजी सावंत
मंत्री, सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

DGIPR-2024-25/4388